RNI No. 58061/93 | वर्ष - 22 | अंक - 19 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 10-08-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 तिरंगे के सम्मान की रक्षा करना हमारा दायित्व : नड्डा

6 व्यंग्य के शिखर पुरुष हरिशंकर परसाई

7 मेरी सफलता का श्रेय पति को जाता है : सुरभि चंदना

फर्स्ट टेक

परेशानी आने पर यात्रा रद्द करने के बजाय उसमें बदलाव को तैयार रहते भारतीय

नई दिल्ली/भाषा। भारत के करीब 96 प्रतिशत यात्री किसी भी परेशानी या बदलाव की स्थिति में अपनी यात्रा रद्द करने के बजाय उसमें बदलाव करने के लिए तैयार रहते हैं, जो यात्रा के प्रति उनके मजबूत और लचीले रवैये को दिखाता है। यह रोचक आंकड़े ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी बुकिंग डॉट कॉम की एक नई रिपोर्ट में सामने आए हैं। दस एशिया-प्रशांत देशों के 10,000 से अधिक यात्रियों पर किए गए सर्वेक्षण पर आधारित पहली 'ट्रैवल हैप्पीनेस इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीयों के लिए यात्रा अब भी खुशी और बेहतर जीवन का एक बड़ा माध्यम है।

भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल लोगों का साहस हर भारतीय के लिए प्रेरणा बना रहेगा : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लेने वाले लोगों को याद करते हुए रविवार को कहा कि उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। 'भारत छोड़ो आंदोलन' महात्मा गांधी के नेतृत्व में नौ अगस्त 1942 को शुरू हुआ था। इस आंदोलन ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को निर्णायक गति दी थी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को याद कर रहा हूं। उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'भारत छोड़ो' के आह्वान ने स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्ति पाने के लोगों के अटूट संकल्प को दर्शाया। नौ अगस्त 2026 को भारत छोड़ो आंदोलन के 84 वर्ष पूरे हो गए। यह आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक था।

चीन में तूफान डॉल्फिन का 'रेड अलर्ट'

बीजिंग/भाषा। तूफान 'डॉल्फिन' के रविवार अपराह्न चीन के पूर्वी तट पर झेजियांग प्रांत से टकराने के बाद देश की राष्ट्रीय वेधशाला ने 'रेड अलर्ट' जारी किया। चीन की तूफान चेतावनी प्रणाली में रेड अलर्ट सबसे ऊंचा स्तर है। चीन की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनएमसी) ने बताया कि तूफान 'डॉल्फिन' झेजियांग प्रांत के सानमेन से फुजियान प्रांत के फुदिंग तक देश के पूर्वी तट पर पहुंची है। एनएमसी के मुख्य पूर्वानुमानकर्ता वांग हाईपिंग ने कहा कि तूफान की वजह से भारी बारिश और इसके व्यापक तथा लंबे समय तक प्रभावी रहने की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी करना जरूरी था।

सूर्यास्त 10-07-2026 6:43 बजे	सूर्योदय 11-08-2026 6:08 बजे
BSE 78,499.17 (-455.55)	NSE 24,570.65(-65.35)
सोना 15,703 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 237,300 रु. प्रति किलो

प्रदर्शन कर रहे छात्रों को न्याय मिलेगा : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध कर रहे अभ्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि उन्हें पारदर्शिता के साथ न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि बातचीत से ही समस्याओं का समाधान हो सकता है, लाठी-डंडे से नहीं, हथियार तो सीमा पर दुश्मनों के लिए होते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में लोकतंत्र को बाधित करने के लिए निहित स्वार्थ वाले लोग पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और राजनीतिक महत्वाकांक्षा रखने वाले लोगों द्वारा गुमराह किये जाने के प्रति युवाओं को आगाह किया। सोरेन ने कहा कि युवाओं की चिंता उनकी भी चिंता है और परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि झारखंड की आत्मनिर्भरता को स्वीकार न कर पाने वाले निहित स्वार्थी तत्व राज्य में लोकतंत्र को बाधित करने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। समस्याओं का समाधान 'लाठी-डंडा-बंदूक' से नहीं, बल्कि संवाद से ही हो सकता है।''

सोरेन ने रांची में आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा, ''हथियार सीमा पर दुश्मनों के लिए होते हैं। मैं परीक्षा को लेकर विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों से वादा करता हूं कि पूरी पारदर्शिता के साथ न्याय किया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, ''सबने देखा कि युवाओं को कैसे प्रताड़ित किया गया, उन्हें पैलेट गन और लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा और उन्हें देशद्रोही करार दिया गया।'' भाजपा की तरफ इशारा करते हुए सोरेन ने विरोधी राजनीतिक पार्टियों पर झूठ और गलत जानकारी फैलाकर झारखंड के युवाओं को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि इसमें बुद्धिजीवी भी शामिल थे।

लोग 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साह के साथ हिस्सा लें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साह के साथ हिस्सा लेने की अपील करते हुए कहा कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज देश का गौरव है और यह देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा देता है।

आज़ादी का 'अमृत महोत्सव' के तहत 2022 में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान अब एक सालाना राष्ट्रीय परंपरा बन गया है, जिसमें करोड़ों नागरिक हर स्वतंत्रता दिवस पर स्वेच्छा से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा है। आइए, हम हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें और 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस साल की यह पहल राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को समर्पित हैं, और वह भी ऐसे समय में जब देश इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। हर घर तिरंगा' अभियान-2026, छह अगस्त को शुरू किया गया था और यह नौ अगस्त से 17 अगस्त तक पूरे देश में मनाया जाएगा।

भारत नागरिकों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने देश के सशस्त्र बलों की अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन किया और दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। वह यहां दिल्ली छावनी के बेस अस्पताल में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों और उनके आकाओं को खत्म करने तथा भारत पर बुरी नजर डालने की हिम्मत करने वालों को कड़ा सबक सिखाने के लिए सशस्त्र बलों की तारीफ़ की। पहलगाम के आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था।

सिंह ने यहां बेस अस्पताल में 'सिंदूर महारक्तदान यात्रा' में कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हमारे रक्षा बलों की अद्वितीय वीरता को दिखाया। इसने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी महिलाओं के सिंदूर की रक्षा करते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इस विशाल रक्तदान शिविर की तुलना करते हुए सिंह ने कहा कि यह करुणा का प्रतीक है, जबकि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने साहस का प्रदर्शन किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस शिविर में महाराष्ट्र के लगभग 1,000 पहलवानों और एथलीटों ने हिस्सा लिया तथा सशस्त्र बलों के प्रति निस्वार्थ सेवा और एकजुटता की भावना दिखाई। रक्तदान करने वालों का आभार जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने भरोसा जताया कि आज दान किया गया खून भविष्य में ज़रूरतमंद सैनिकों और उनके परिवारों के लिए एक भरोसेमंद रिज़र्व के तौर पर काम आएगा।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर रक्तदाता और रक्त लेने वाला, अपने-अपने तरीके से देश की सेवा कर रहा है, और लोगों, खासकर युवाओं से आग्रह किया कि वे रक्तदान को एक संस्कृति बनाएं।

मोदी ने राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं से मुलाकात की, उनके प्रदर्शन की तारीफ की

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों से पदक जीतकर लौटे भारतीय खिलाड़ियों से रविवार को मुलाकात की और प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी।

मोदी ने 'इंस्टाग्राम' पर खिलाड़ियों से हुई मुलाकात का एक छोटा वीडियो साझा किया। उन्होंने इस मुलाकात को खास बताया और देश का मान बढ़ाने के लिए खिलाड़ियों की प्रशंसा की। बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों के साथ हुई मुलाकात के बारे में ट्वीट भी किया। उन्होंने ने 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''मुझे 7, लोक कल्याण मार्ग पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 के पदक विजेताओं की मेजबानी करके बहुत प्रसन्नता हुई। उनके खेलों के अनुभवों के बारे में जाना। हर खिलाड़ी ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता कई युवाओं को प्रेरित करेगी। ''

इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री से मिलने वाले खिलाड़ियों में मुक्केबाज साक्षी चौधरी भी शामिल थीं जिन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 51 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

'स्पाइडर-मैन : ब्रांड न्यू डे'

भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा टॉम हॉलैंड और जेंडाया अभिनीत फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है और यह देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बन गई है। डेस्टिन डैनियल क्रेटन के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारत में 30 जुलाई को रिलीज हुई थी, और दुनियाभर में यह एक दिन बाद रिलीज हुई। फिल्म में टॉम हॉलैंड ने स्पाइडर-मैन की भूमिका को दोहराया है, जबकि जेंडाया ने मिशेल जोन्स-वॉटसन का किरदार निभाया है। फिल्म में जैकब बैटलन ने नेड लीड्स, क्रोंडन ने टॉम्बस्टोन और सैडी सिंक ने जीन ग्रे की भूमिका निभाई है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 462 करोड़ रुपये की कमाई की है। कमाई के मामले में इसने क्रिस्टोफर नोलन की फद ओडिसी' को पीछे छोड़ दिया है। 'द ओडिसी' 17 जुलाई को रिलीज हुई था और तब से इसने 189 करोड़ रुपये की कमाई की है। वहीं 'ऑब्सेशन' ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। फिल्म में हॉलैंड का किरदार एक नए और ताकतवर खतरे का सामना करता है। इसी दौरान अपने जीवन की चुनौतियों के बीच उसके शरीर में आए अप्रत्याशित बदलावों से भी उसे जूझना पड़ता है।

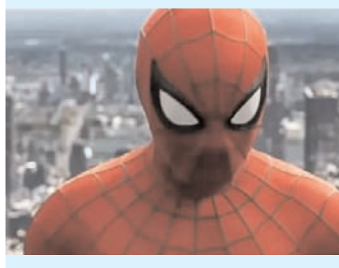

केरल में पूरा 'वंदे मातरम' नहीं गाया जाएगा : मुरलीधरन

तिरुवनंतपुरम/कासरगोड/भाषा। केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन और कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने रविवार को कहा कि राज्य में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण नहीं गाया जाएगा। मुरलीधरन ने संवाददाताओं से कहा कि केरल में हमेशा की तरह राष्ट्रगीत के केवल पहले दो अंतरा ही गाए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''पूर्व में भी राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में केवल पहले दो अंतरा ही गाए जाते थे और यह व्यवस्था अब भी जारी रहेगी।'' उन्नीथन ने कहा कि केरल में इस जन्म में ''पूरा वंदे मातरम'' नहीं गाया जाएगा। सांसद ने एक टीवी चैनल से कहा कि उन्हें मुख्य सचिव द्वारा राष्ट्रीय गीत के पूर्ण गायन के संबंध में दिए गए किसी निर्देश की जानकारी नहीं है, लेकिन चाहे नरेन्द्र मोदी हमें ''गोली मारने की धमकी ही क्यों न दें'' इसे पूरा नहीं गाया जाएगा। उन्होंने कहा, ''यह उसी तरह गाया जाएगा जिस तरह अब तक गाया जाता रहा है। इससे अधिक कुछ नहीं गाया जाएगा।'' दोनों नेताओं की यह प्रतिक्रिया केरल के मुख्य सचिव विश्वनाथ सिन्हा के छह अगस्त के उस पत्र के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि आजादी का 'अमृत महोत्सव' के तहत 2022 में शुरू किए गए इस अभियान के 2026 संस्करण को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित स्मरणोत्सव के तीसरे चरण के साथ जोड़ दिया गया है। पत्र के अनुसार, यह निर्णय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति की मंजूरी के बाद लिया गया। तदनुसार, पत्र में कहा गया है कि इस अवधि के दौरान सभी आयोजनों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ-साथ वंदे मातरम का सामूहिक गायन शामिल होगा, जबकि डिजिटल भागीदारी हर घर तिरंगा' पोर्टल के माध्यम से होगी जहां नागरिक तिरंगे के साथ अपनी ''सेल्फी'' अपलोड कर सकते हैं।

संसद में जारी गतिरोध के बीच महत्वपूर्ण विधेयकों को लेकर अनिश्चितता बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मानसून सत्र के अब केवल चार कार्य दिवस बचे हैं, लेकिन संसद में जारी गतिरोध के बीच महिला आरक्षण, परिसीमन और विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों को लेकर अब भी अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। इनमें से कोई भी विधेयक सोमवार को लोकसभा की कार्यसूची में शामिल नहीं है। सरकार की ओर से संपर्क साधे जाने के बाद कुछ विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को लेकर अपने रुख में नरमी के संकेत दिए हैं, लेकिन कांग्रेस और उसके ज्यादातर सहयोगियों ने इन विधेयकों तथा एफसीआरए संशोधन विधेयक को लाने के किसी भी कदम का विरोध करने का संकल्प लिया है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार संसद में प्रस्तावित एफसीआरए विधेयक पेश करती है, तो कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसका पुरजोर तरीके से विरोध करेंगे। उन्होंने कहा,अगर केंद्र सरकार को लगता है कि वह इन दो-तीन दिनों में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन अधिनियम (एफसीआरए) विधेयक तैयार करके पेश कर सकती है, तो उसे यह इच्छा अपने तक ही रखनी चाहिए। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित कानून अल्पसंख्यकों और गैर सरकारी संगठनो (एनजीओ) को निशाना बनाता है और कहा कि विपक्ष इसे पारित नहीं होने देगा।

वेणुगोपाल ने केरल के अलप्पुझा में पत्रकारों से कहा, अगर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस जन-विरोधी विधेयक को पारित कराने आते भी हैं, तो इसमें कोई शक नहीं कि उन्हें संसद में कड़े विरोध का सामना करना पड़ेगा। यह विधेयक असंवैधानिक और जन-विरोधी है। हम ऐसे जन-विरोधी और असंवैधानिक विधेयक को पारित नहीं होने देंगे।''

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को याद दिलाया कि 2023 में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कैसे रिकॉर्ड संख्या में 146 सांसदों को निलंबित किया गया था और विपक्षी सदस्यों की नाममात्र मौजूदगी में कई अहम विधेयक पारित किए गए थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतिहास दोहराया नहीं जाना चाहिए। पिछले सप्ताह सरकार ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों के लिए विपक्ष के साथ-साथ अपने सहयोगी दलों का समर्थन जुटाने के उद्देश्य से कई बार उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसे उसमें ज्यादा सफलता नहीं मिली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गतिरोध खत्म करने के प्रयास में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से

वर्ल्ड ट्राइबल डे

आदिवासी महिलाएं वर्ल्ड ट्राइबल डे के मौके पर पारंपरिक डांस करती हुई, जिसे दुनिया के आदिवासी लोगों का इंटरनेशनल डे भी कहा जाता है। यह रविवार को मुंबई, महाराष्ट्र में मनाया गया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दलित सियासत

भारत के सर्वोच्च व्यक्ति को,
ऐसे ना कमतर तोलो।
लोकतंत्र की सुंदर छवि पर,
यूं ना कालिख को घोलो।
सच में तो है दलित सियासत,
इस दल-दल पर मुंह खोलो।
तीनों सेनाओं का मुखिया,
दलित हुआ कैसे बोलो।।

मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में 193 लोग हुए लाभान्वित

दंत जांच व रक्तदान शिविर भी आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर में श्रीरामपुरम एवं गायत्रीनगर वार्ड की पूर्व पार्षद चंद्रकला गिरीश लक्कना के सहयोग से निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्त चाप, मधुमेह की जांच, आंखों की जांच, दंत परीक्षण जैसी

विभिन्न जांचों का समावेश किया गया।

शिविर में 193 सदस्यों ने अपनी जांच करवाई। एटीडीसी द्वारा प्रदत्त सेवाओं, चिकित्सकों की उपलब्धता, फिजियोथेरेपी, स्कैनिंग अन्य विभिन्न सेवाओं के बारे में स्थानीय लोगों को जानकारी प्रदान की गई। दिव्यदृष्टि आई हॉस्पिटल के सहयोग से आंखों की जांच की गई जिसमें 133 सदस्यों ने अपने नेत्रों की जांच करवाई। जिसके भी चश्मे के नंबर प्राप्त हुए उन सबको अगले सप्ताह चश्मा वितरण किया जाएगा। केएलई डेंटल कॉलेज के सहयोग से 45 लोगों की दांतों की जांच की गई। संकल्प इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 10 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

चिकपेट संघ की साधारण सभा में अनेक मुद्दों पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ चिकपेट की साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में मंदिर के ट्रस्टी, पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

मंदिर के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत करते हुए संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। संघ की संबंधित संस्थाओं ने आयव्यय का ब्यौरा दिया जो सर्वसम्मति से पास किया गया। विभिन्न सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा अनेक मुद्दों पर खुलकर चर्चा की।

उत्साह और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई सातवीं कावड़ यात्रा

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। शहर के बिलेकेहल्ली स्थित एसएनएन राज लेकव्यू अपार्टमेन्ट में सातवीं वार्षिक कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें 400 श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और भक्तिभाव से भाग लिया।

समिति के वरिष्ठ सदस्यों ने कावड़ों की विधिवत पूजा कर कावड़ यात्रा का शुभारंभ किया। अपार्टमेन्ट की चौपाल से प्रारंभ हुई इस 3.5 किलोमीटर की कावड़ यात्रा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने 'बोल बम के नारे' के साथ विघ्नेश्वर मंदिर तक की यात्रा पूरी की तथा मंदिर में शिवलिंग पर पवित्र गंगाजल अर्पित की विश्व शांति की कामना की।

बारामती में प्रशिक्षण विमान अभ्यास के दौरान हवाईपट्टी से बाहर निकला, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे जिले में बारामती हवाई पट्टी पर रविवार को प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक निजी विमानन अकादमी का विमान रनवे से बाहर निकल गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, अपराह्न करीब साढ़े 12 बजे हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस साल 28 जनवरी को महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों को ले जा रहा एक निजी विशेष विमान बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार को 'कार्वर एविएशन' का वीटी-एसईएक्स विमान प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान रनवे से बाहर निकल गया। विमान में एक पायलट और एक प्रशिक्षु सवार थे।

गोडवाड़ भवन में शत्रुंजय महातीर्थ की हुई भाव यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां लालबाग रोड क्रॉस स्थित गोडवाड़ भवन में गुरुकृपा चातुर्मास हेतु विराजमान गच्छाधिपति जैनाचार्य श्रीमद् विजय नित्यानंदसूरी महाराज की निश्रा में धर्म आराधना और तपस्या की लहर चल रही है। रविवार को श्री शत्रुंजय महातीर्थ की भाव यात्रा का आयोजन हुआ।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भाव यात्रा का आनंद प्राप्त किया। ढाई घंटे तक चले धारा प्रवाह कार्यक्रम में सभी शत्रुंजय गिरिराज की भक्ति में लीन बने रहे। ङ्गभाव यात्रा का हृदयस्पर्शी जीवंत वर्णन मुनि श्री मोक्षानंद विजय जी म. ने प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि तीन लोक में पूजनीय और शाश्वत तीर्थ की यात्रा वो ही प्राणी कर सकता है जिसे कभी न कभी मोक्ष अवश्य प्राप्त होगा।अभवी जीव तो इस पर्वत को देख भी नहीं सकता। इस पर्वत के कंकर कंकर से अनंत आत्माएं साधना करके सिद्ध बुद्ध मुक्त हुई हैं। कहा जाता है कि जिसने इस तीर्थ की यात्रा नहीं की उसका तो अभी तक जन्म ही नहीं हुआ, वो तो अभी गर्भावास में ही है। महापापी, अधमी और क्रूर हत्यारे भी इस तीर्थ की शुभ भाव से यात्रा करके पवित्र हो जाते हैं। करोड़ों जन्मों के पाप शत्रुंजय तीर्थ के स्मरण मात्र से नष्ट हो जाते हैं। वर्तमान चौबीसी के 23 तीर्थंकर इस गिरिराज पर पधारे और श्री नेमिनाथ भगवान भी इंद्र की विनती पर इस तीर्थ की तलहटी तक पधारे थे। भगवान ऋषभदेव यहां पूर्व 99 बार पधारे और उनके समवसरण यहां लगे।

उस समय जिस पेड़ के नीचे परमात्मा विराजमान होते थे वो रायण वृक्ष आज भी पर्वत पर मौजूद है। असंख्य देवी देवता निरंतर इस तीर्थ की यात्रा करने आते रहते हैं। ङ्गमुनिश्री ने कहा कि जब भी तीर्थ यात्रा करने के लिए जाओ तो कभी भी तीर्थ स्थान को अपवित्र नहीं करना चाहिए।

वहां जाकर रात्रि भोजन का त्याग करना चाहिए। बाजारों में लारियों पर खड़े होकर अभक्ष्य खान-पान आदि का त्याग करना चाहिए। संसार में व्यक्ति जितने पाप करता है उनसे छुटकारा पाने के लिए तीर्थों की यात्रा करता है। लेकिन यदि तीर्थों पर जाकर भी पाप ही करेंगे तो फिर ऐसे कठोर कर्मों का बंधन होगा जिन्हें भोगे बिना छुटकारा मिलने वाला नहीं। तीर्थ और मंदिर हमारी आत्मा को पावन बनाते हैं।

वहां के पवित्र परमाणुओं के स्पर्श से मन, तन और आत्मा की शुद्धि होती है। क्रोध आदि कषाय नष्ट हो जाते हैं। क्षमा, समता और विनम्रता की अभिवृद्धि होती है। तीर्थ यात्रा जीवों को भव सागर से पार करने के लिए उत्तम और श्रेष्ठ आलम्बन है। ङ्गभाव यात्रा के दौरान भक्त शत्रुंजय तीर्थ पट्ट के समक्ष खूब झूमे।

संगीतकार कमलेश ने भक्ति गीतों की गंगा बहाई। सुशीला भीमराज करबा वाला परिवार ने शत्रुंजय पट्ट को अक्षत से वधाया। आरती भी करवाई। कार्यक्रम के बाद गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति द्वारा सभी के लिए साधर्मिक भक्ति आयोजित की गई।

महापुरुषों के गुणों के स्मरण से मिलता है पुण्य : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत्। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने रविवार को प्रवचन में दो महान संतों के बारे में बताया। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आचार्यश्री शोभाचंद्रजी का जन्म जोधपुर में हुआ, जोधपुर एक तपोभूमि है, इसी भूमि पर उनको वैराग्य हुआ, तेरह वर्ष की अल्प आयु में दीक्षा ग्रहण की, नौ साल गुरु की सेवा में रहे, अपने गुरु की बहुत सेवा की, रत्नवंश के आचार्य बने, आचार्यश्री लाल चंद जी म सा ने अपने हाथों से चद्दर ओढ़ाई, पांच साल तक जोधपुर में ठाणापति रहे, उनका जन्म दिन पंचम तिथि के होने वजह से उस दिन को सौभाग्य पंचम कहा जाता है। वे सौम्य स्वभाव के धनी थे, उनकी सोच उनका त्याग देवतुल्य है। शोभाचंद्रजी बहुत ही महान संतों में गिने जाते हैं और

भगवान की तरह पूजे जाते हैं। वे बहुत ही विद्वान संत थे, उनके पुराने संतों से बहुत अच्छा सम्बन्ध रहता था, मूर्तिपूजक संतों से बहुत अच्छा सम्बन्ध था। मुनिश्री ने कहा कि महापुरुषों के गुणों के स्मरण से पुण्य की प्राप्ति होती है तथा आगे बढ़ने की शिक्षा मिलती है । ङ्ग ज्ञानमुनिजी ने कहा कि उपाध्यायश्री केवलमुनिजी का विराट व्यक्तित्व था। मेवाड़ में जवाहरलाल कोठारी व कुंकुबाई की कुक्षि से जन्मे केवलमुनिजी का गौर वर्ण व विशाल ललाट था। नास्तिक को आस्तिक बनाने वाले महापुरुष ने मात्र 11 वर्ष की उम्र में दिवाकर जी के सान्निध्य में दीक्षा ग्रहण की, उनकी सैकड़ों रचनाएँ प्रकाशित हुई, हृदय की भावनाओं को कविता में रच देते थे। वे ओजस्वी वाणी के धनी थे।

उन्होंने अंतिम चातुर्मास बेंगलूरु के हलसूर में किया था। उनके गुणों को आज भी याद किया जाता है। महापुरुषों की स्मृति में आयोजित रविवारिय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति थी। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने संचालन किया।

केरल के मुख्यमंत्री ने लापता मछुआरों की तलाश में चूक के आरोपों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने कोल्लम और तिरुवनंतपुरम जिलों में अलग-अलग नौका दुर्घटनाओं के बाद लापता हुए तीन मछुआरों की तलाश में किसी भी तरह की चूक होने के विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने आरोप लगाया था कि 31 जुलाई को कोल्लम में नींदकारा, तिरुवनंतपुरम में विड़िण्गम एवं मुथलाप्पोज़ी के पास मछुआरों के लापता होने के बाद पूर्ण तलाश अभियान शुरू करने में देरी हुई। सतीशन ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि लापता मछुआरों का पता लगाने के लिए पिछले नौ दिनों से लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के कार्यकाल में जब 148 लोग लापता हो गए थे, तब भी इतना लंबा तलाश अभियान नहीं चलाया गया था।

सतीशन ने कहा, ''अगर कोई मछुआरा समुद्र में लापता हो जाता था, तो उसके परिवार को मुआवज़ा पाने के लिए सात साल तक इंतजार करना पड़ता था। इस सरकार ने यह सब बदल दिया। अब समय बर्बाद करने की गुंजाइश नहीं है।'' उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि केंद्र सरकार की मदद से पिछले नौ दिनों से खोज अभियान चलाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''और कहां नौ दिनों तक तलाशी अभियान चलाया गया?'' भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि वह तलाश अभियान को लेकर किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहते हैं। राज्य सरकार के एक मंत्री ने उनसे संपर्क किया था और तलाश अभियान में केंद्र की मदद के लिए उनका समर्थन मांगा था। चंद्रशेखर ने कहा, ''मैंने तत्काल रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय से बात की। उसी दिन दोपहर से ही तटरक्षक बल और नौसेना पूरी तरह काम पर लग गयी थी। उनकी तलाश के लिए अभियान नौ-10 दिनों से चल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं उनके परिवारों से मिलने जा रहा हूं। मेरी प्रार्थना और उम्मीद है कि वे मिल जाएं।''

प्रवासी मजदूरों के लिए 'आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड' शिविर आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय कर्नाटक बिहारी समाज की ओर से रविवार को नंदी मेरक्की, यलचेनहल्ली, बन्नेरघट्टा रोड में जरूरतमंद प्रवासी मजदूरों के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड' बनाने हेतु विशेष स्वास्थ्य एवं पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक बिहारी समाज के अध्यक्ष प्रो. डॉ. विनय कुमार यादव ने उपस्थित प्रवासी मजदूरों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड के महत्व, पात्रता तथा इससे मिलने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. निश्चित केआर एवं डॉ. दर्शन ने हिंदी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में मजदूरों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड के लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाना सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिविर में 100 से अधिक प्रवासी मजदूरों ने पंजीकरण कराया, जबकि 33 मजदूरों के आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई।

समाज के अध्यक्ष प्रो. डॉ. विनय कुमार यादव ने कहा कि समाज का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद प्रवासी श्रमिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाना भी है।

'सफलता व संतुलन का सही तरीका योजनाबद्ध जीवन'

श्रीधाम आश्रम में सुधांशु महाराज का हुआ अभिनंदन

बेंगलूरु। विगत तीन दिनों से बेंगलूरु में चल रहे अमृत ज्ञान वर्षा महोत्सव का रविवार को यहां श्रीधाम आश्रम में समापन हुआ। इस अवसर पर दूर दूर से भक्त अपने गुरुदेव के दर्शन एवं आशीर्वचन के लिए पहुंचे। परम पूज्य सुधांशुजी महाराज के आश्रम आने के उपरान्त शिव मंदिर में पूजन करके सुख समृद्धि की कामना की। जिसके बाद व्यास मण्डप में आयोजित सत्संग कार्यक्रम में शामिल हुए गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री सुधांशुजी ने कहा कि मानव शरीर को मिली श्वांसों की पूंजी अत्यंत सीमित है इसलिए इसे व्यर्थ न गंवाएं। माता-पिता के त्याग को याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता ने जीते जी कभी अपने लिए प्रार्थना नहीं की, बल्कि हमेशा अपनी संतान का सुख चाहा है।

गुरुदेव ने बादल और वर्षा का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार मेघ पूरी सृष्टि को हरा-भरा कर देते हैं, ठीक उसी तरह ईश्वर की सच्ची भक्ति और प्रार्थना करने वालों पर प्रभु की कृपा बरसती है। जीवन में ऐसा प्रेमपूर्ण रिश्ता जोड़ना चाहिए जिससे हर ओर हर्ष और आनंद बरसे और जीने का नजरिया ही बदल जाए। उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का भाव जागृत करते हुए कहा कि सच्चा साधक वही है जो अत्यधिक खुशी या विकट भय में भी स्वयं को विचलित न होने दे। उन्होंने चिंता को दीमक के समान बताया जो मनुष्य को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। इसलिए चिंता को छोड़कर प्रभु चरण में ध्यान लगाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हर नया दिन हमें एक अवसर के रूप में मिलता है लेकिन बिना किसी सोच के यह देखते

ही देखते बीत जाता है। अधिकांश लोग भवन और कैरियर का निर्माण तो योजना बनाकर करते हैं पर अपने स्वयं के जीवन को डिजाइन करना भूल जाते हैं। दुनिया के जिन महान और चमकते हुए सितारों को हम अपना आदर्श मानते हैं, उनके जीवन में भी चुनौतियाँ और संघर्ष रहे हैं। विषम परिस्थितियों के बावजूद जिन्होंने अपने जीवन को सही योजना, अनुशासन और उच्च विचारों के साथ जिया, वही दुनिया के लिए आदर्श बन गए।

जीवन को केवल यूं ही न बिताने के बजाय उसे योजनाबद्ध तरीके से डिजाइन करना ही सफलता और सार्थकता की कुंजी है।ङ्गविश्व जागृति मिशन ट्रस्ट बेंगलूरु मण्डल के प्रधान आदित्य टांटिया सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा महाराजश्री का नागरिक अभिनन्दन एवं महाआरती की गई। इस शुभ अवसर सभी भक्तों ने गुरु दर्शन, गुरु पूजन करके आशीर्वाद प्राप्त किया।

'तीसरी मुंबई' बाहरियों को करेगी आकर्षित, सरकार के रवैये से स्थानीय लोगों को होगा नुकसान : राज ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगढ़/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को राज्य सरकार पर प्रस्तावित तीसरी मुंबई' शहर से जुड़ी विकास योजनाओं को लेकर लोगों को अंधेरे में रखने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि इसके लिए जमीन तो स्थानीय लोग देंगे लेकिन फायदा बाहरी लोग उठायेंगे। 'तीसरी मुंबई' या करनाला-साई-चिरनेर (केएससी) न्यू टाउन' एक नियोजित स्मार्ट सिटी होगी, जो तटीय रायगढ़ जिले के 124 गांवों

के लगभग 323-334 वर्ग किलोमीटर के इलाके में फैली हुई होगी। इस नए शहर को विकसित करने का उउद्देश्य मुंबई महानगर क्षेत्र में भीड़-भाड़ कम करना और इलाके में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

ठाकरे ने यहां प्रेसवार्ता में दावा किया कि आम लोगों को 'तीसरी मुंबई'के बारे में सरकार की योजनाओं की जानकारी नहीं है।

कांग्रेस ने 2023 में बड़े पैमाने पर सांसदों के निलंबन को याद किया, कहा-इतिहास दोहराया न जाए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को याद दिलाया कि 2023 में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कैसे रिकॉर्ड संख्या में 146 सांसदों को निलंबित किया गया था और विपक्षी सदस्यों की नाममात्र मौजूदगी में कई अहम विधेयक पारित किए गए थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतिहास दोहराया नहीं जाना चाहिए। रमेश की टिप्पणी अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह संसद के मौजूदा मानसून सत्र के आखिरी हफ्ते से ठीक पहले आई है, जिसमें विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है।

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 13 दिसंबर 2023 को जब संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा था, तो दो लोग नारे लगाते हुए और कनस्तरों से पीला धुआं छोड़ते हुए दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूद पड़े। उन्होंने लिखा, उसी समय संसद भवन के बाहर दो अन्य लोगों ने कनस्तर से रंगीन धुआं छोड़ा।

कर्नाटक सरकार की बिदादी टाउनशिप परियोजना के विरोध में बायरमंगला से फ्रीडम पार्क तक निकाली गई पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री व जनता दल (सेक्युलर) नेता एच.डी. कुमारस्वामी, जेडी(एस) कर्नाटक यूथ विंग के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता व भाजपा नेता आर. अशोक और अन्य नेताओं ने भाग लिया।

जदएस और भाजपा का जीबीआईटी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में संयुक्त मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल सेक्युलर (जदएस) ने अपनी गठबंधन सहयोगी भाजपा के समर्थन से रविवार को बिड़दी के पास प्रस्तावित जीबीआईटी परियोजना के लिए किसानों की जमीन के अधिग्रहण के विरोध में अपनी तीन-दिवसीय पदयात्रा शुरू की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह पदयात्रा बेंगलुरु के पास बिड़दी के बायरामंगला से शुरू होकर बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क तक जाएगी। इसका नेतृत्व जनता दल एस युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी कर रहे हैं। इसमें दोनों दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए हैं। करीब 38 किलोमीटर लंबी इस यात्रा का समापन बेंगलुरु में होगा।

जदएस नेता और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और अन्य नेताओं के साथ बायरामंगला में पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई। प्रदर्शनकारियों ने नम्मा भूमि, नम्मा हक्कू (हमारी जमीन, हमारा अधिकार) जैसे नारे लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 'रियल एस्टेट' हितों को बढ़ावा दे रही है, 'कमीशन' हासिल करने की कोशिश कर रही है और किसानों को झूठे मामलों में फंसाकर उनकी आवाज दबाना चाहती है। इससे पहले भाजपा और जदएस ने बिड़दी से बेंगलुरु तक प्रस्तावित परियोजना के खिलाफ अलग-अलग विरोध मार्च निकालने की घोषणा की थी।

हालांकि, हाल में दोनों गठबंधन सहयोगी दलों के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें विधानमंडल के अंदर और बाहर भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर संयुक्त विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया गया।

कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा। राज्य सरकार ने 'ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप' (जीबीआईटी) परियोजना को लेकर अलग-अलग राय और सुझावों की समीक्षा के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुहानाथन नरेंदर की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति को 30 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

भाजपा और जदएस नेताओं ने सत्तारूढ़ कांग्रेस की उन पूरे पन्ने के समाचार पत्रों में दिए गए विज्ञापनों को लेकर आलोचना की, जिनमें इसे प्रायश्चित यात्रा बताया गया था। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अशोक ने इसे भ्रष्ट सरकार के लिए अंतिम चेतावनी करार दिया। उन्होंने कहा कि जो सरकारें किसानों के खिलाफ काम करती हैं, वे कभी लंबे समय तक सत्ता में नहीं रह पातीं। उन्होंने सरकार और मुख्यमंत्री को चेतावनी दी कि अगर वे अपनी बात पर अड़े रहे, तो उन्हें इसके नतीजे भुगतने होंगे।

अशोक ने कहा कि किसान पिछले 500 दिनों से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं। यह कोई फर्जी आंदोलन नहीं है, बल्कि किसान और उनके परिवार अपने अधिकारों और आजीविका की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि जदएस राजनीतिक लाभ के लिए पदयात्रा नहीं कर रही है, बल्कि उस जिले के किसानों के लिए लड़ रही है, जिसने उन्हें राजनीतिक जन्म दिया था।

नए मंत्रियों के बीच विभागों के आवंटन को लेकर आलाकमान के साथ चर्चा कर सकते हैं शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार रविवार देर शाम नयी दिल्ली पहुंचेंगे। इस दौरान अटकलें हैं कि वह नए मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा कर सकते हैं। मीडिया के साथ साझा किए गए मुख्यमंत्री के यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, शिवकुमार राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने के बाद कर्नाटक भवन में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकीलों के साथ एक बैठक में शामिल होंगे। उनके बेंगलूरु लौटने का कार्यक्रम अभी तय नहीं है। पार्टी में इस बात को लेकर काफी चर्चा है कि शिवकुमार दिल्ली यात्रा के दौरान 19 नए मंत्रियों के बीच विभागों के आवंटन को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा कर सकते हैं। इन नेताओं को तीन अगस्त को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था।

मंत्रिमंडल में जगह पाने की इच्छा रखने वाले विधायकों की नाराजगी पर भी चर्चा होने की संभावना है। पिछले तीन-चार दिन में शिवकुमार, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी. के. हरिप्रसाद, कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के लिये प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और कुछ मंत्रियों ने मंत्रिमंडल में जगह नहीं पाने वाले विधायकों से संपर्क किया है, ताकि उनकी नाराजगी दूर की जा सके। रविवार को शिवकुमार ने वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री दिनेश गुंडूराव से मुलाकात की। ऐसी खबरें हैं कि शिवकुमार छोटे स्तर पर मंत्रिमंडल में बदलाव पर विचार कर सकते हैं। इसके तहत कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाकर उन नाराज विधायकों को जगह दी जा सकती है, जो लगातार मंत्री पद की मांग कर रहे हैं। हालांकि, इस तरह के किसी कदम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शिवकुमार के मंत्रिमंडल में अभी कोई महिला मंत्री नहीं है, इसलिए उनपर दबाव बढ़ रहा है कि एकमात्र रिक्त मंत्री पद पर किसी महिला को नियुक्त किया जाए। पार्टी सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री 13 अगस्त से शुरू होने वाले राज्य विधानसभा के मानसून सत्र से पहले इन सभी प्रक्रियाओं को पूरा करना चाहते हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायलाय के छह अतिरिक्त न्यायाधीशों ने शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय के छह नए अतिरिक्त न्यायाधीशों ने रविवार को शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बेंगलूरु में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। नवनियुक्त अतिरिक्त न्यायाधीशों में राघवेंद्र सीताराम श्रीवत्स, हेमा कुलकर्णी, सुब्रह्मण्य रंगाराव, तड़गावाड़ी प्रकाश विवेकानंद, बक्केश्वर प्रमोद और होम्बेगौड़ा शांति भूषण शामिल हैं। यह समारोह बेंगलूरु स्थित लोक भवन के ग्लास हाउस में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू के साथ अन्य न्यायाधीश, अधिवक्ता, गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी समारोह में मौजूद रहे।

मुलाकात

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को बेंगलूरु स्थित आवास पर कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव से मुलाकात की।

होर्रट्टी के इस्तीफे पर भाजपा-जद(एस) ने राज्यपाल से शिवकुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की और विधान परिषद के सभापति बसवराज होर्रट्टी से कथित तौर पर जबरन इस्तीफा करवाने के मामले में मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और अन्य के खिलाफ सख्त संवैधानिक कार्रवाई की मांग की। विपक्षी दलों ने इस घटनाक्रम को ''गुंडागर्दी'' करार दिया। उन्होंने राज्यपाल से गैर-कानूनी तरीके से प्राप्त इस असंवैधानिक इस्तीफे'' को खारिज करने का आग्रह किया।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता सी. नारायणस्वामी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया, ''हम आपका ध्यान कर्नाटक राज्य के एक बेहद गंभीर और चिंताजनक घटनाक्रम की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों का पूरी तरह से पतन हो चुका है तथा सत्ताधारी दल के नेता गुंडों जैसा व्यवहार कर रहे हैं।''

उन्होंने आरोप लगाया कि परिषद सभापति बसवराज होर्रट्टी ने कहा था कि वह 14 अगस्त को इस्तीफा देंगे, लेकिन मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बी. के. हरिप्रसाद, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सलीम अहमद और एस. रवि तथा अन्य उनके कार्यालय गए और डेढ़ घंटे से अधिक समय तक वहां रहकर उन पर भारी राजनीतिक दबाव बनाया।'' ज्ञापन में आरोप लगाया, ''उन्होंने गुंडों की तरह उन्हें धमकी दी और जबरन व असंवैधानिक तरीके से उनका इस्तीफा लिया। यह घटना विधानमंडल की गरिमा और संविधान की पवित्रता पर गंभीर आघात है।''

होर्रट्टी ने शुक्रवार को यह दावा करते हुए पद छोड़ दिया था कि कांग्रेस सरकार ने उनसे पद छोड़ने को कहा है। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेताओं ने उनसे कहा था कि यदि वे इस्तीफा नहीं देंगे तो उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। विपक्षी नेताओं ने कहा कि उन्होंने उन पर भारी दबाव बनाया और ''जबरन'' इस्तीफा लिया। उन्होंने आरोप लगाया, ''नियमों की अनदेखी करते हुए उन्होंने सभापति के निजी सचिव को बुलाया और सभापति का आधिकारिक लेटरहेड लाने को कहा।'' उन्होंने दावा किया, ''सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने खुद उस लेटरहेड पर इस्तीफा टाइप करवाया और उस पर सभापति के हस्ताक्षर जबरन व असंवैधानिक रूप से ले लिए।''

भाजपा और जद(एस) नेताओं ने राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राज्यपाल से इस गंभीर संकट में हस्तक्षेप करने और संविधान के तहत उन्हें दी गई शक्तियों का प्रयोग करने का आग्रह किया। उनकी मांगों में ''गुंडागर्दी'' से हासिल किए गए ''असंवैधानिक इस्तीफे'' को खारिज करना, तथा सभापति पर दबाव बनाने और विधानमंडल की स्वायत्तता को कमजोर करने के लिए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, बी. के. हरिप्रसाद, सलीम अहमद, रवि और अन्य के खिलाफ संवैधानिक एवं कानूनी जांच के आदेश देना शामिल हैं।

प्रस्तावित बिड़दी परियोजना से जुड़े तथ्य जनता के सामने लाएंगे : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार बिड़दी के नजदीक प्रस्तावित ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप' (जीबीआईटी) परियोजना से जुड़े तथ्यों को सामने लाएगी और कोई भी सच्चाई को छिपा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि विपक्ष को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है और 13 अगस्त से विधानमंडल के शुरू हो रहे मॉनसून सत्र के दौरान सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। जनता दल (सेक्युलर) ने जीबीआईटी परियोजना के लिए किसानों की जमीन अधिग्रहण के खिलाफ अपनी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर 'तीन दिवसीय पदयात्रा' निकाल रही है। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी इस यात्रा पर की। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, लोकतंत्र में हर किसी को विरोध करने और पदयात्रा निकालने का अधिकार है। वे जो करना चाहते हैं, करें। हमें कोई आपत्ति नहीं है। सच्चाई को कोई छिपा नहीं सकता। हम भी सच्चाई को सामने लाने का काम करेंगे।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उन्हें विधानसभा में आकर इस पर चर्चा करने दें... हम विधानसभा में उन्हें जवाब देंगे। वे जहां चाहें, वहां शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कानून सही समय पर उचित कार्रवाई करेगा।'' मुख्यमंत्री ने बार-बार कहा है कि जीबीआईटी परियोजना न तो उनकी परियोजना थी और न ही मौजूदा कांग्रेस सरकार की कोई पहल, बल्कि यह 2006 में एच. डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली भाजपा-जद (एस) गठबंधन सरकार द्वारा घोषित प्रस्ताव की ही आगे की प्रक्रिया है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बिड़दी के पास बायरामंगला से बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क तक की इस पदयात्रा का नेतृत्व जद(एस) की युवा शाखा के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी कर रहे हैं और इसमें दोनों दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हो रहे हैं, जिसमें लगभग 38 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। जद(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक और अन्य नेताओं के साथ बायरामंगला में इस पदयात्रा को रवाना किया। किसानों और स्थानीय निवासियों के विरोध के बीच राज्य सरकार ने जीबीआईटी परियोजना के लिए सात गांवों में 5,400 एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहण को लेकर अंतिम अधिसूचना के दो चरण जारी किए हैं।

सूत्रों के अनुसार, बिड़दी परियोजना के लिए 25 गांवों में फैली 9,600 एकड़ भूमि की जरूरत है। किसान इस परियोजना के विरोध में स्थानीय स्तर पर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन

बेंगलूरु में भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद के साथ।

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष का महिलाओं के साथ जघन्य अपराधों के मामलों की समयबद्ध सुनवाई का आह्वान

बेंगलूरु। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया के रहाटकर ने रविवार को महिलाओं के साथ गंभीर अपराधों के मामलों की तय समय-सीमा के भीतर सुनवाई का आह्वान किया और अदालतों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि पीड़िताओं एवं उनके परिवारों को पहले से प्रदत्त राहत के लिए बार-बार न्यायपालिका के पास न जाना पड़े। उन्होंने यहां दक्षिण क्षेत्र में 'महिलाओं के लिए न्याय' विषयक सम्मेलन के समापन समारोह में अपने संबोधन में 2022 के श्रद्धा वालकर हत्याकांड का ज़िक्र किया और इसे इस बात का 'दर्दनाक उदाहरण' बताया कि कैसे न्याय मिलने में सालों की देरी हो सकती है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं.
11-S&T-MYS-2026 दिनांक 30.07.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरकर्ता निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य
'वीडियो, स्लाइड, ट्रेन चलने की स्थिति, पावरपॉइंट प्रेज़ेंटेशन और लाइव वीडियो स्ट्रीम सहित सभी प्रकार की सामग्री को प्रदर्शित करने के लिए मैसूरु स्टेशन पर एक इनडोर वीडियो वॉल का प्रावधान'	Rs. 26,27,252.00

बोली जमा करने की अंतिम तिथि:
20.08.2026 को 15:30 बजे तक
अधिक जानकारी के लिए देखें: www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर / मैसूरु
PUB/360/AAVC/PRB/SWR/2026-27
आसानी से टिकट बुकिंग, PNR स्टेटस और अन्य रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | @sw_railways

भारत सरकार / Government of India
अंतरिक्ष विभाग / Department of Space
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन / Indian Space Research Organisation
मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र / Human Space Flight Centre
बेंगलूरु / Bengaluru - 560 037

विज्ञापन सं./Advt. No. HSFC:01:RMT:2026 दिनांक/Date: 10.08.2026

समानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र सातवें वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स के स्तर-11 में विविध क्षेत्रों में वैज्ञानिक/अभियंता - 'एस.डी.' के पद के लिए पूर्व-आवश्यक योग्यता वाले पीएच.डी. धारकों से आवेदन आमंत्रित करता है। Human Space Flight Centre invites applications from eligible PhD holders with pre-requisite qualifications for the post of Scientist/Engineer 'SD', Level-11 of VII CPC Pay Matrix in various fields.

इसरो के लाइव पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से दिनांक 10.08.2026 को 10:00 बजे से दिनांक 30.08.2026 को 17:00 बजे तक आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किए जाएंगे। तदनुसार, अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इसरो के लाइव रजिस्टर पोर्टल https://www.isro.gov.in में उरीशशी टैब के अंतर्गत 30.08.2026 (17:00 बजे) तक अपना पंजीकरण करें अथवा पूर्व पंजीकरण को अद्यतन कर लें। लाइव रजिस्टर पोर्टल सीधे https://liveregister.isro.gov.in/LRClient पर उपलब्ध है।विस्तृत विज्ञापन के लिए एच.एस.एफ.सी. की वेबसाइट www.hsfc.gov.in देखें। Applications will be received online through ISRO LIVE REGISTER portal from 10:00 hrs on 10.08.2026 to 17:00 hrs on 30.08.2026. Accordingly, candidates are advised to either register or update their registrations in the Live Register portal of ISRO at www.isro.gov.in under the Careers tab on or before 30.08.2026 (17.00 hours). Live register portal can directly be accessed at: https://liveregister.isro.gov.in/LRClient For detailed advertisement, please visit HSFC website: www.hsfc.gov.in

परिशिष्ट / अद्यतनिकरण / शुद्धि-पत्र, यदि कोई हो, तो केवल एच.एस.एफ.सी. की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। अभ्यर्थियों को नवीनतम जानकारी के लिए एच.एस.एफ.सी. की वेबसाइट ु.हीषल.सीं.ळप नियमित रूप से देखने की सलाह दी जाती है। Addendum/Updates/Corrigendum, if any, will only be published on HSFC website. Candidates should regularly visit the HSFC website www.hsfc.gov.in for latest updates.
CBC 49122/11/0002/2627

तिरंगे के सम्मान की रक्षा करना हमारा दायित्व : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अल्बर्ट हॉल से 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत राज्य स्तरीय तिरंगा रैली का शुभारंभ किया। अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक रिमझिम वर्षा के मध्य निकली इस रैली में केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए। यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने तिरंगा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान, शान और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशवासियों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराकर विविधता में एकता और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में बसना चाहिए और इसके सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने पुष्पचक्र अर्पित कर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को और मजबूत करने की दिशा में 'प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर्स अमेंडमेंट एक्ट, 2026' महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान भारत की शान हैं तथा इनके अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने

देशवासियों से वीर सपूतों की कुर्बानियों से प्राप्त आजादी और तिरंगे की गरिमा को सदैव बनाए रखने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत प्रारंभ की गई तिरंगा यात्रा जन-जन के अभियान के रूप में नई पीढ़ी में राष्ट्र भावना को सशक्त करने का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। हर घर लहराता हुआ तिरंगा राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। लेकिन यह सम्मान हमारे घरों के साथ ही हमारे दिलों में भी होना चाहिए। इसकी सार्थकता इसी में है कि हम राष्ट्रीय चेतना के आदर्श और मूल्य को अपने जीवन में भी उतारें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष देश 15 अगस्त को स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह दिवस देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर है। उनके त्याग और तपस्या के फलस्वरूप ही आज हमारे हाथ में यह तिरंगा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा संविधान के आदर्श, एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि तिरंगे का राजस्थान से गहरा नाता रहा है। पहली बार 15 अगस्त को फहराया गया तिरंगा राजस्थान में बना था। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के क्षणों का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय विद्यार्थियों की टोली हाथों में तिरंगा थामे 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत के उद्घोष के साथ गलियों से गुजरती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीब कल्याण की योजनाओं से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद के खात्मे एवं दुनिया में भारत के बढ़ते गौरव तक अभूतपूर्व बदलाव देखा है। आज का नया भारत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने का काम करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले ढाई वर्षों से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान हो। सांसद मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने पर सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

जल बचाने और संरक्षण के लिए हो प्रभावी प्रयास : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जल संचयन की विकसित हुई अतीत की परम्पराओं से सीख लेते हुए जल बचाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का कार्य धरती पर किसी ने किया है तो वह आदिवासी समुदाय है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण हमारे यहां की ज्ञान परम्परा से जुड़ा विषय रहा है। प्राचीन काल में चौथी शताब्दी की पुस्तक कृषि पाराशर और महाराणा प्रताप के दरवारी लेखक पंडित चक्रधर मिश्र की विश्वल्लभ की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इनमें वर्षाजल संग्रहण के लिये खेतों में छोटे बाँध बनाने की ही नहीं कुएं, बावड़ियां, तालाब आदि बनाने की वैज्ञानिक विद्या दी गई है।

बागड़े रविवार को आदिवासी दिवस पर आयोजित समारोह में ग्रामीण विकास एवं शोध परिषद द्वारा आयोजित जल संचयन संकल्प कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने जल संचयन की शपथ भी दिलाई। उन्होंने पूर्व मंत्री प्रो. सांवर लाल जाट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। धरती आबा बिरसा मुंडा को स्मरण करते हुए उन्होंने जल संचयन के लिए वातावरण निर्माण पर विशेष रूप से जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान में जहाँ जल है, वहीं ईश्वर का वास है, की सोच से जल बचाने की परम्पराएँ विकसित हुईं। उन्होंने पश्चिमी राजस्थान में जल की एक एक बूंद से जुड़ी कहावत 'घी ढुल्याँ म्हारो की नीं जासी। पानी ढुल्याँ म्हारो जी बले।।' की चर्चा करते हुए कहा कि पानी को यहां घी से अधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा जल संकट से निपटने और राज्य को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रारम्भ अभियान और नीतियों को भविष्य के लिए बहुत कारगर बताया। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त बनाने, तालाबों, नदियों और बावड़ियों की सफाई तथा पुनर्जीवन करने के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान,हर घर जल योजनाओं का उद्देश्य यही है कि पीने का पानी सब तक पहुंचे पर जल की बचत नहीं होगी तो कल के लिए हम जल रख नहीं पाएंगे।

राज्यपाल ने चेताया कि भारत में पानी की कमी इतनी गंभीर है कि देश की लगभग 60 करोड़ आबादी गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी का भरण-पोषण करने वाले भारत के पास वैश्विक ताजे पानी का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा ही उपलब्ध है, जिससे जल संकट की विकट स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर निकाले जाने वाले कुल भूजल का लगभग 25% हिस्सा अकेले भारत का होने पर भी चिंता जताई। उन्होंने बारिश के दौड़ते पानी को रोकने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही उसका उत्पादन है।

पुराने भवन से मिले सोने-चांदी को मालिक को न सौंपने का आरोप, पांच लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में एक पुरानी इमारत को ढहाने के दौरान मिले कीमती सामान को खुर्द-बुर्द करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस कीमती सामान में चांदी की सिल्लियां व स्वर्ण कलश शामिल हैं।

मानक चौक थाने की पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने आरोपियों से कुल 66.400 किलोग्राम वजन की चांदी की दो बड़ी सिल्लियां बरामद भी की हैं। पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि 15 जुलाई को मानक चौक पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत में कहा गया था कि विद्याधर का रास्ता त्रिपोलिया बाजार में एक पुरानी इमारत को गिराने के दौरान मिली कीमती चीजें मालिक को नहीं सौंपी गईं और ठेकेदार महेश मल्होत्रा व उनके साथियों ने कथित तौर पर खुर्द-बुर्द कर दिया।

शिकायत के अनुसार इमारत गिराने के दौरान मिली कीमती चीज़ों में 40-45 किलोग्राम वजनी चांदी की 10-15 चांदी की सिल्लियां, सोने के सिक्कों से भरे हुए 14-15 स्वर्ण कलश, चांदी के 8000-10000 पुराने सिक्के एवं अन्य बहुमूल्य संपत्ति शामिल है। पुलिस ने कहा कि यह मामला चुनौतीपूर्ण था क्योंकि कथित घटना लगभग 10 महीने पहले हुई थी। तब तक इमारत को गिराकर नया ढांचा खड़ा किया जा चुका था और देरी तथा सीसीटीवी फुटेज न होने के कारण तुरंत सबूत जुटाना मुश्किल हो गया था।

उन्होंने बताया कि आरोपों की पुष्टि करने और आरोपियों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। जांच के दौरान टीम ने तकनीकी इंटेलिजेंस और मुखबिरों से मिली जानकारी का इस्तेमाल किया।

पुलिस ने कथित घटना के बाद आरोपियों के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड और जयपुर तथा आसपास के इलाकों में उनकी गतिविधियों की भी जांच की।

पुलिस ने बताया कि टीम ने आरोपियों पर नजर रखी और उनकी जीवनशैली तथा वित्तीय गतिविधियों में आए बदलावों की भी जांच की। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान मिली जानकारी की पुष्टि करने के बाद पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान महेश मल्होत्रा (ठेकेदार), जगदीश राजोरिया, ओमप्रकाश खिंची, अनुज अरोड़ा और रजनी मल्होत्रा के तौर पर हुई है।

जयपुर में मूसलाधार बारिश : गलताजी की सीढ़ियों पर बहा पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में रविवार अलसुबह से ही मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो गया। शहर के सिरसी रोड, वैशाली नगर, सांगानेर, गोपालपुरा, कालवाड़ और चारदीवारी क्षेत्र (रामगंज, घाटगेट, ब्रह्मपुरी, आमेर) में व्यापक जलभराव देखने को मिला। लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है और लोगों को पिछले कुछ दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। f

नवारू रोड पर धरना और नाव: झोटवाड़ा के निवारू रोड पर भारी जलभराव से परेशान होकर स्थानीय लोग सड़क पर भरे पानी में ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ विरोध जताते हुए सांकेतिक रूप से पानी में नाव भी चलाई। मडपंप से निकाला गया पानी: ड्रेनेज एंट्री पॉइंट्स पर कचरा फंसने के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया। न्यू गेट और चारदीवारी के प्रमुख रास्तों पर प्रशासन को पानी निकासी के लिए मडपंप लगाने पड़े।

प्रसिद्ध गलता जी मंदिर परिसर की सीढ़ियों से बारिश का पानी झरने की तरह बहने लगा, वहीं नाहरगढ़ और आमेर की पहाड़ियों पर छोटे-छोटे झरने शुरू हो गए। जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रात से ही रुक-रुककर बारिश जारी रही। बस्सी उपखंड के तूंगा इलाके में सर्वाधिक 19 मिमी बारिश दर्ज की गई। कैचमेंट एरिया में लगातार पानी की आवक होने से आगरा रोड स्थित प्रसिद्ध कानोता बांध लबालब होकर ओवरफ्लो हो गया और उस पर चादर चलने लगी।

बारिश और ठंडी हवाओं के चलते दिन का अधिकतम तापमान 31.3ओउ तथा न्यूनतम तापमान 26.7ओउ दर्ज किया गया। सामान्य से 25% कम बारिश: मौसम विभाग के अनुसार, जयपुर में 1 जून से 8 अगस्त तक सामान्यतः 322.3 मिमी बारिश होती है, जबकि इस मानसून सीजन में अब तक कुल 243.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से लगभग 25 प्रतिशत कम है।

हर घर तिरंगा अभियान से प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रीय एकता और देश प्रेम की भावना हो रही प्रगाढ़ : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को केवल तिरंगा फहराने तक सीमित न रखते हुए इसे व्यापक जन-जागरूकता अभियान का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक इस अभियान से जुड़कर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका निभाए। पटेल ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान से प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रीय एकता और देश प्रेम की भावना अधिक प्रगाढ़ हो रही हैं। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक भागीदारी से अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है।

विधि मंत्री ने कहा कि आज हम जिस आजाद भारत में सांस ले रहे हैं और हमें जो संवैधानिक अधिकार व स्वतंत्रताएं मिली हैं, वह अनगिनत राष्ट्रभक्तों और कई पीढ़ियों के त्याग व बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा यह दिन उन सभी वीर सपूतों को नमन करने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने का है। जोधपुर में रविवार को जिला स्तरीय 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित प्रभात फेरी के अवसर पर विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों एवं प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं देश की एकता-अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात उन्होंने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को जिला कलक्टर कार्यालय से रवाना किया।

प्रभात फेरी में सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, स्काउट के विद्यार्थियों, पुलिस कार्मिकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, जिला परिषद तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत प्रभात फेरी में शामिल हुए।

प्रभात फेरी के माध्यम से आमजन को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने तथा राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने भी जिलेवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाने तथा अपने घरों, वाहनों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

एटीएस ने आतंकी कनेक्शन के आरोप में टोंक के एक युवक को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक/नई दिल्ली। राजस्थान एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) ने टोंक के रहने वाले वासित नाम के एक युवक को हिरासत में लिया है। उस पर एक आतंकवादी संगठन से जुड़े होने का शक है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब सुरक्षा एजेंसियां ङ्कङ्कराज्य में सक्रिय संभावित आतंकी नेटवर्क की जांच-पड़ताल कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक वासित को पूछताछ के लिए जयपुर ले जाया गया और आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा सकता है। जांचकर्ता यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या वह पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े किसी हैंडलर के संपर्क में था। एटीएस की टीमों ने जांच के तहत टोंक में वासित के घर पर भी तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान अधिकारियों ने डिजिटल डिवाइस और बैंक खातों व वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारी जब्त की।

तलाशी में मिली चीजों की जांच की जाएगी, क्योंकि जांचकर्ता संदिग्ध संबंधों की प्रकृति और दायरे का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों के प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े लोगों या नेटवर्क के साथ किसी भी संभावित संबंध का पता लगाने के लिए डिजिटल बातचीत और वित्तीय रिकॉर्ड की भी जांच करने की उम्मीद है। वासित को हिरासत में लेने या उस पर लगे खास आरोपों के बारे में राजस्थान एटीएस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच चल रही है और संगठन के साथ उसके संबंधों की असल प्रकृति का अभी पता लगाया जाना बाकी है। इससे पहले जून में राजस्थान एटीएस ने मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से =संबंधों के आरोप में जयपुर की रहने वाली बबीता धाकड़ को गिरफ्तार किया था।

नड्डा और भजनलाल शर्मा ने दी सौगात,10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, सांसद मदन राठौड़ सहित मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद, विधायक और संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कुल 4 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के इन वाहनों को राज्य के 10 राजकीय ब्लड बैंकों को आवंटित किया गया है।

कांवड़ मार्ग पर बिरयानी की दुकान पर चला बुलडोजर, दो दुकानदार हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। कांवड़ यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों पर मांसाहार की बिक्री रोकने की कड़ी में बहेड़ी में मुख्य कांवड़ मार्ग पर चिकन बिरयानी बेचते पाए जाने पर पुलिस ने दो दुकानदारों को हिरासत में लेकर बुलडोजर (जेसीबी) से दुकान का टिनशेड और काउंटर गिरा दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मामला पुराने रोडवेज के पास का है।

लोधीपुर निवासी सलमान यहां मुर्गे की बिरयानी बेचता था। सावन और कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने मुख्य कांवड़ मार्गों पर मांसाहार की बिक्री पर पहले ही रोक के निर्देश जारी किए थे। शनिवार शाम करीब पांच बजे दुकान पर बिरयानी बिकने की सूचना विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी शानू गंगवार ने पुलिस को दी। सूचना पर बहेड़ी के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरुण कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक चेतावनी के बावजूद दुकान चलती मिलने पर पुलिस ने सलमान और रहीस को हिरासत में ले लिया। इसके बाद जेसीबी से दुकान का टिनशेड-काउंटर गिरा दिया गया। सीओ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान तय निर्देशों का उल्लंघन कर मीट, चिकन, मछली या अन्य मांसाहारी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर एफआईआर भी दर्ज होगी। इसी दौरान बेकरी वाली 'चीफ साहब' की गली में भी चिकन शॉप पर छापेमारी की गई। यहां फ्राई चिकन और चिकन बिरयानी बेची जा रही थी। बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस दुकान बंद कराकर दो लोगों को थाने ले आयी। पुलिस का कहना है कि बरेली से बहेड़ी और अन्य प्रमुख कांवड़ मार्गों पर पुलिस-प्रशासन की निगरानी बढ़ा दी गई है और टीमें जांच कर रही हैं।

भारत के खिलाफ षड्यंत्र के लिए सोशल मीडिया तीसरा माध्यम बना : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सोशल मीडिया भारत के खिलाफ षड्यंत्रों का तीसरा माध्यम बन गया है और भारत विरोधी ताकतें इस मंच का इस्तेमाल अफवाहें फैलाने तथा समाज को गुमराह करने के लिए कर रही हैं।

आदित्यनाथ ने ऐतिहासिक 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के 101 साल पूरे होने पर आयोजित 'काकोरी ट्रेन कांड शताब्दी वर्ष' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत बिना किसी कारण के गुलाम नहीं बना। गुलामी के कारण हमारे भीतर का विभाजन और हमारे खिलाफ रचे गए षड्यंत्र थे। आज भी कुछ ताकतें जाति, धर्म और भाषा के नाम पर भारत को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने कहा, इन षड्यंत्रों का अब तीसरा माध्यम सोशल मीडिया मंच है। सभी भारत विरोधी ताकतें भारत के खिलाफ अफवाह फैलाने, इसका दुरुपयोग करने और समाज को गुमराह करने के लिए इस मंच का इस्तेमाल कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने युवा पीढ़ी को देश के क्रांतिकारियों से दूर रखा, उन्होंने उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय किया। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, वीर सावरकर, भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों को जानबूझकर लोगों की स्मृति से दूर रखा गया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार षड्यंत्र किए गए कि इन क्रांतिकारियों के नाम वर्तमान पीढ़ी तक न पहुंचें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1922 में गोरखपुर में चौरी चौरा की घटना के बाद कांग्रेस ने आंदोलन स्थगित कर दिया था और खुद को इस प्रकरण से अलग कर लिया था। उन्होंने कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय ने इन क्रांतिकारियों की ओर से मुकदमा लड़ा था। आदित्यनाथ ने कहा, कई क्रांतिकारियों को आजीवन कारावास की सजा हुई और दुर्भाग्य से लखनऊ में कांग्रेस के दो नेता एवं वकीलों ने अदालत में इन क्रांतिकारियों के खिलाफ बहस की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के वास्तविक नायकों को सम्मान देने के लिए 2014 के बाद प्रयास शुरू करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को जाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. बी. आर. आंबेडकर, वीर सावरकर, राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खान से जुड़े स्मारकों को विकसित किया जा रहा है। योगी ने कहा कि क्रांतिकारियों को उचित सम्मान देने के लिए इस ऐतिहासिक घटना को 'काकोरी डकैती' के बजाय 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के रूप में संदर्भित किया गया है।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थल पर प्रस्तावित शंखनाद और कारसेवा कार्यक्रम रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थल पर मंदिर निर्माण के लिए रविवार को प्रस्तावित 'शंखनाद' और 'कारसेवा' कार्यक्रम आयोजकों ने रद्द कर दिया। आयोजकों ने कहा कि उनके कई अनुयायी श्रावण माह की कांवड़ यात्रा में शामिल हो रहे हैं। गोवर्धन क्षेत्र के राधाकुंड के पास जुल्हेंदी गांव स्थित श्री चित्रगुप्त पीठ के अध्यक्ष स्वामी डॉ. सच्चिदानंद ने इस कार्यक्रम को रद्द करने की घोषणा की। उन्होंने चार जुलाई को घोषणा की थी कि नौ अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर कारसेवा की जाएगी।

स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि उनके कई अनुयायी कांवड़ यात्रा में शामिल हैं, इसलिए कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। उन्होंने सनातन परंपरा से जुड़े संतों और अनुयायियों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की थी। जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में हवन किया गया। स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि उनकी चार मांगें हैं- पूजा स्थल कानून, 1991 को निरस्त किया जाए, श्रीकृष्ण जन्मस्थान मामले की रोजाना सुनवाई के लिए त्वरित अदालत गठित की जाए, जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री अर्पित करने की अनुमति दी जाए और शाही ईदगाह मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण पर लगी रोक हटाई जाए। यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे छह दिसंबर को कारसेवा करेंगे। इसी तरह राष्ट्रीय हनुमान दल ने भी रविवार को ईदगाह में जलाभिषेक और कारसेवा का आह्वान किया था, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया। इस बीच, अखिल भारत हिंदू महासभा की आगरा इकाई की अध्यक्ष मीरा राठौर को पुलिस ने ईदगाह में प्रवेश करने का प्रयास करने पर हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने से पहले उन्होंने शाही ईदगाह जाते समय रास्ते में श्रीकृष्ण की प्रतिमा का जलाभिषेक किया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) राजीव कुमार सिंह ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत जिले में किसी नई परंपरा की शुरुआत पर रोक है। आयोजकों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थल पर मंदिर निर्माण के लिए कारसेवा और शंखनाद' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रमुख लोगों और संतों से अपील की थी, लेकिन इसके लिए पुलिस से अनुमति नहीं ली गई थी। सिंह ने कहा, ''हम क्षेत्र की ओर जाने वाले सभी लोगों को रोक रहे हैं और उन्हें उनके संबंधित थाना क्षेत्रों में वापस भेज रहे हैं।'' जिन संगठनों और व्यक्तियों से संपर्क किया गया था तथा जिन्हें कार्यक्रम में शामिल होने या सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया गया था, उन्हें रेड कार्ड' नोटिस जारी कर कार्यक्रम से दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

प्रह्लाद जोशी ने एनटीए को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को शिक्षा सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने, परीक्षा प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने और एजेंसी को छात्रों के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। जोशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जुड़े मामलों पर शिक्षा मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।'' उन्होंने कहा, ''महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही संस्थागत व्यवस्थाओं को और मजबूत करने, प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने और छात्रों के प्रति अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे उठाए जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया।''

मंत्री ने कहा, ''हमारा ध्यान एक मजबूत, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था तैयार करने पर बना हुआ है, जो हर छात्र की आकांक्षाओं को पूरा कर सके।''

धर्मेंद्र प्रधान के पद से इस्तीफा देने के बाद 26 जुलाई को जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। नीट पेपर लीक विवाद पर देशभर में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधान ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया था।

मुख्यमंत्री योगी ने कांस्य पदक जीतने पर शाहनवाज खान को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरव दिलाने वाले प्रदेश के होनहार खिलाड़ी शाहनवाज खान को हार्दिक बधाई दी।

योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, ''विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरव दिलाने वाले उत्तर प्रदेश के होनहार खिलाड़ी शाहनवाज खान को हार्दिक बधाई।''

पोस्ट में उन्होंने कहा, ''संघर्ष, संकल्प और अथक परिश्रम से अर्जित आपकी यह उपलब्धि प्रदेश और देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। उत्तर प्रदेश और समूचे भारत को आप पर गर्व है। आपके उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत मंगलकामनाएं! '' विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में शाहनवाज खान ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता जिससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया।

शाहनवाज ने पुरुषों की लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या में वृद्धि की।

निर्देशक राजामौली ने फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू की पहली झलक वाला पोस्टर जारी किया

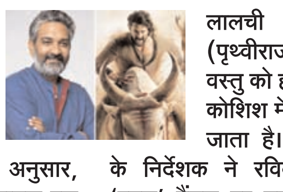

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म 'वाराणसी' के निर्माताओं ने महेश बाबू की पहली झलक वाला पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह रुद्र के किरदार में नजर आने वाले हैं। एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। यह फिल्म सात अप्रैल, 2027 को रिलीज होगी। फिल्म की कहानी 512 ईस्वी के एक ऐसे समुदाय के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके पास एक प्राचीन रहस्य है, जो दुनिया को बचा सकता है।

फिल्म की कहानी के अनुसार, 2027 ईस्वी में 'शांभवी' नामक एक क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराता है, जिससे भीषण तबाही मच जाती है। इसी दौरान लालची वैज्ञानिक कुंभ (पृथ्वीराज) एक प्राचीन वस्तु को हासिल करने की कोशिश में लकवाग्रस्त हो जाता है। 'आरआरआर' के निर्देशक ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर यह पोस्टर साझा किया। इसमें अभिनेता जंगल के बीच बांस की एक बेड़े पर लेटे नजर आ रहे हैं। अगली पोस्ट में वह अफ्रीका की पृष्ठभूमि में दिखाई दिए। पोस्ट के साथ लिखा था, सिर्फ उग्र होना ही उसका एकमात्र रूप नहीं है, वाराणसी में रूद्र। वाराणसी' का संगीत एम एम कीरवाणी ने दिया है, जिन्हें राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के लिए ऑस्कर मिला था। फिल्म का निर्माण श्री दुर्गा आर्ट्स और शोइंग बिजनेस ने किया है।

हिंदू रक्षा दल ने देवबंद दारुल उलूम में गंगाजल चढ़ाने का किया ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर/भाषा। हिंदू रक्षा दल ने ऐलान किया है कि उसके सदस्य 11 अगस्त को सहारनपुर जिले के देवबंद स्थित दारुल उलूम परिसर में गंगाजल चढ़ाने जाएंगे।

संगठन का दावा है कि इस्लामिक शिक्षण संस्थान के परिसर के नीचे शिवलिंग मौजूद है। हिंदू रक्षा दल की उत्तराखंड इकाई के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने शनिवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारी हरिद्वार से गंगाजल लेकर देवबंद जाएंगे। शर्मा ने दावा किया कि संगठन ने पहले दारुल उलूम परिसर में शिव मंदिर होने के अपने दावों की जांच कराने के लिए सहारनपुर प्रशासन से संपर्क किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद संगठन ने खुद दारुल उलूम जाकर गंगाजल चढ़ाने का फैसला किया है।

देवबंद के क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि किसी को भी कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''किसी को भी कानून-व्यवस्था बाधित करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।''

तृणमूल कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने पहुंचीं ममता बनर्जी का विरोध, 'चोर-चोर' के नारे लगाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को रविवार को उत्तर 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने जाते समय भारी विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ चोर-चोर' के नारे लगाए और कथित तौर पर उनकी कार पर कीचड़ फेंका। यह घटना बीजपुर में हुई, जहां बनर्जी पुलिस हिरासत में मारे गए कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उनके वाहन को घेर लिया।

बनर्जी ने पत्रकारों से कहा, मेरी कार पर पत्थर, जूते और कीचड़ फेंके गए। यह साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को पहले ही बता दिया था कि मैं आ रही हूं, इसके बावजूद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। पूरा पश्चिम बंगाल गुंडों का राज है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बनर्जी शांत इलाके में अशांति पैदा करने आई थीं। इस दौरान उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। हालिशहर में तृणमूल कार्यकर्ता की पुलिस की हिरासत में कथित तौर पर बीमार पड़ने के बाद मौत हो गई थी।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और मोदी में मुलाकात से द्विपक्षीय समस्याओं का समाधान हो सकता है : राजदूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनके भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी की मुलाकात से दोनों देशों के बीच संबंधों में आई तल्खी को दूर करने में मदद मिल सकती है।

ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किए गए रहमान कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। इन अटकलों के बीच त्रिवेदी की यह टिप्पणी आई है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा पांच अगस्त को नई दिल्ली से डिजिटल माध्यम से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किए जाने के बाद भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव बढ़ गया।

हसीना ने कहा था कि वह लोकतंत्र बहाल करके देश को ''सही रास्ते'' पर लाने के लिए दिसंबर में स्वदेश लौटने के लिए दृढ़ हैं, भले ही उन्हें जेल या मृत्युदंड का सामना करने का खतरा क्यों न हो। बांग्लादेश ने इस संवाददाता सम्मेलन पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि इस कार्यक्रम से देश के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और इससे भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने सात अगस्त को स्पष्ट किया था कि हसीना से संबंधित सम्मेलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह इस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता।

रामगढ़ में इस्पात संयंत्र में विस्फोट होने से नौ लोग झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगढ़/भाषा। झारखंड के रामगढ़ ज़िले में रविवार को एक निजी इस्पात संयंत्र की भट्ठी में विस्फोट होने से कम से कम नौ श्रमिक झुलस गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर कुजू क्षेत्र के मुरपा गांव में हुई। मुख्य फैक्टरी निरीक्षक मनीष सिन्हा ने बताया कि गंभीर रूप से घायल दो मजदूरों को रांची के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। उन्होंने कहा, ''संयंत्र की भट्ठी में धमाका होने के बाद गर्म धातु के छींटे पड़ने से कुछ कर्मचारी झुलस गए। हजारीबाग के फैक्टरी निरीक्षक को इस मामले की जांच करने और जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।''

विस्थापित कश्मीरी पंडितों का 'राजनीतिक अनाथपन'

दशकों की उपेक्षा और अधूरे वादों की दास्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगती (जम्मू)/भाषा। जम्मू कश्मीर में जगती टाउनशिप और आसपास के शिविरों में रह रहे सैकड़ों विस्थापित कश्मीर पंडितों ने खुद को राजनीतिक रूप से ''अनाथ'' और ''नए अछूत'' बताते हुए राजनीतिक दलों पर आरोप लगाया है कि उनकी दुर्दशा का इस्तेमाल केवल चुनावी घोषणापत्रों के लिए ही किया जाता है।

इसके साथ ही विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने उनके लिए आवश्यक कदम उठाये जाने की मांग की ताकि वे संविधान में निहित गरिमापूर्ण जीवन यापन कर सकें। जगती शिविर में रहने वाले अधिवक्ता विश्व रंजन पंडित ने कहा, हमारा इस्तेमाल सभी ने किया लेकिन हमारा प्रतिनिधित्व किसी ने नहीं किया, यही सबसे बड़ी विडंबना है। उन्होंने कहा, ''सबसे कठिन निर्वासन वह होता है, जो अपने ही देश द्वारा थोपा जाता है।'' वर्ष 1990 के दशक में आतंकवाद फैलने के बाद कश्मीर छोड़कर आए विस्थापित समुदाय के लिए बने शिविरों में रहने वाले लोगों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विमर्श से उन्हें हाशिये पर धकेल दिए जाने के कारण उनकी पूरी तरह उपेक्षा हो रही है। इनमें से कई लोगों ने अपनी परेशानियों को समाप्त करने के लिए ''कड़े कदम उठाने'' तक की चेतावनी दी है। शिविरों में रह रहे विस्थापितों की समस्याओं को लगातार उठाने वाले संगठन पनुन कश्मीर के अध्यक्ष टिटो गंजू ने विस्थापित समुदाय की मुख्य शिकायत को रेखांकित करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को उनकी याद केवल चुनाव के समय ही आती है। गंजू ने कहा, ''कश्मीरी पंडितों को भले ही राजनीतिक रूप से अनाथ बना दिया गया हो, लेकिन हमारी किस्मत में हमेशा राजनीतिक रूप से अनाथ बने रहना नहीं है। हम कश्मीर की सभ्यतागत स्मृति के मूल वाहक हैं और घाटी में भारतीयता की सबसे प्राचीन एवं स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक हैं।'' उनका कहना था कि ''वर्षों से सरकारें भले ही उनकी अनदेखी करती रही हों या इस समुदाय को शामिल किए बिना कश्मीर के बारे में बात करने की कोशिश करती रही हों, लेकिन इतिहास और भू-राजनीति इस भ्रम को लंबे समय तक टिकने नहीं देंगे।'' दशकों से जारी ''प्रशासनिक उपेक्षा'' की निंदा करते समुदाय के सदस्यों में जर्जर होती बुनियादी सुविधाओं और पुनर्वास के अधूरे वादों को लेकर गहरी नाराजगी है।

गंजू का कहना था कि कश्मीरी पंडित कश्मीर की कहानी का छूटा हुआ अध्याय नहीं हैं। हम उसका अधूरा अध्याय हैं और हमारा इरादा इसका अगला अध्याय लिखने का है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समुदाय को शामिल किए बिना कश्मीर की समस्या का कोई स्थायी समाधान संभव नहीं है। चुनावी आंकड़ों के अनुसार, मतदाता सूचियां दशकों के दौरान कश्मीरी पंडित मतदाताओं के बदलते रुझानों को दर्शाती हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने आरजी कर दुष्कर्म-हत्या मामले में नए सिरे से जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 2024 में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में नए सिरे से जांच की घोषणा की। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने यह फैसला मृत चिकित्सक की मां के अनुरोध पर लिया है, जो अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक हैं। उन्होंने कहा, ''रत्ना देबनाथ ने मुझे पत्र लिखकर मामले की नए सिरे से जांच का अनुरोध किया था। मुख्य सचिव और विशेषज्ञों की एक टीम के साथ विस्तृत चर्चा के बाद मैं विशेष आयोग अधिनियम, 1952 के तहत नए सिरे से जांच की घोषणा कर रहा हूं।'' अधिकारी ने आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रही। उन्होंने महिला चिकित्सक के अंतिम संस्कार में कथित लापरवाही की अलग से जांच के भी आदेश दिए और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

सुविचार

ज्ञान बांटने से बढ़ता है। अपना अनुभव दूसरों से साझा करें। सीखने और सिखाने की भावना रखें, समाज आगे बढ़ेगा, देश मजबूत बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आईएसआई का डिजिटल मकड़जाल

भारत में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का फैलता मकड़जाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। जब से सोशल मीडिया का प्रसार हुआ है, हनीट्रैप संबंधी मामले काफी बढ़ गए हैं। अब भारतीय वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी पर पाकिस्तानी महिला एजेंट के हनीट्रैप में फंसने के गंभीर आरोप लगे हैं, जिस पर चर्चा होनी चाहिए। इस अधिकारी के पास देश की सुरक्षा से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारी थी, लेकिन यह दुश्मन देश के जाल में ऐसा फंसा कि अपने फर्ज से समझौता कर बैठा। जब इतना वरिष्ठ अधिकारी आसानी से विचलित हो सकता है तो आम आदमी कितना सावधान है? सरकारी अधिकारी हो या आम आदमी, सबको आईएसआई के एक डिजिटल पैंतरे के बारे में जानकारी जरूर होनी चाहिए। उसने पाकिस्तान में एक यूनिट बना रखी है, जिसमें कई महिलाओं को नियुक्त किया गया है। उनका मुख्य काम भारतीय नागरिकों को हनीट्रैप में फंसाकर सुरक्षा संबंधी जानकारी हासिल करना है। इन महिला एजेंटों को भारतीय जीवनशैली का प्रशिक्षण देकर मैदान में उतारा जाता है। ये बिंदी, सिंदूर जैसे सौभाग्य-प्रतीक धारण करती हैं। कुछ मामलों में इनके कमरों की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र भी दिखाए दिए, ताकि शिकार को इनके धोखे का एहसास ही न हो। ये जानकारी लेने में इतनी शातिर होती हैं कि व्यक्ति को आसानी से पता नहीं चलता है। एक व्यक्ति, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण जगह पर तैनात था, के पास किसी अनजान महिला का फोन आया। उससे पूछा गया, 'क्या आप ... जी बोल रहे हैं?' उसने कहा, 'नहीं, मैं तो ... बोल रहा हूं।' महिला अपनी बात पर अड़ी रही, 'मुझे तो बताया गया था कि यह नंबर ... का है!' वह व्यक्ति मना करता रहा कि 'नहीं, यह नंबर मेरा ही है।' इस तरह पाकिस्तानी महिला एजेंट ने बड़ी आसानी से उस व्यक्ति का नाम मालूम कर लिया। दो-तीन दिन बाद फिर उसी महिला ने फोन कर माफी मांगी कि 'उस दिन मुझसे गलती हो गई थी, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था।'

व्यक्ति ने कहा, 'कोई बात नहीं, गलतफहमी की वजह से ऐसा हो जाता है।' धीरे-धीरे बात आगे बढ़ती गई। महिला अपने बारे में जानकारी (जो पूरी तरह गलत थी) देती गई और वह व्यक्ति भी अपने बारे में जानकारी (जो बिल्कुल सही थी) देता गया। महिला खुद को सेना के अस्पताल में कार्यरत अधिकारी बता रही थी। एक दिन उसने कोई फर्जी पर्चा भेजकर कहा, 'हमारे यहां यह काम होता है। आपके यहां क्या होता है?' व्यक्ति ने भी अपने कार्यस्थल से जुड़ीं तस्वीरें भेज दीं। मामला शादी की बात तक पहुंच गया। उस व्यक्ति को पता ही नहीं था कि प्रेम के नाम पर उसका इस्तेमाल किया जा रहा है, वह जानकारी भेजकर देश की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। एक दिन भारतीय एजेंसियों के अधिकारी उस तक पहुंच गए। तब उसे पता चला कि उसके साथ कितना बड़ा धोखा हुआ है! पाकिस्तान की एक महिला एजेंट के तौर-तरीके सोशल मीडिया पर चर्चा में रहे हैं। वह किसी दफ्तर में फोन कर कड़क आवाज में पूछती है, 'साहब कहां हैं? मैं उनकी पत्नी बोल रही हूं। उनका फोन नहीं लग रहा है। दूसरा नंबर दीजिए।' यह भी कहा जाता है कि जब भारत सरकार अनुच्छेद 370 हटाने की तैयारी कर रही थी और सोशल मीडिया पर कयासों का बाज़ार गर्म था, तब उसने जम्मू-कश्मीर के कई स्कूलों, सरकारी दफ्तरों में फोन कर हालात का पता लगा लिया था। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' का आगाज हुआ तो बुरी तरह भयभीत पाकिस्तान ने भारतीय सैनिकों की आवाजाही का पता लगाने के लिए ऐसे कई पैंतरे आजमाए थे। उस समय पाकिस्तान को जानकारी मुहैया कराने के आरोप में बहुत लोग पकड़े गए थे। दुश्मन एजेंसियों ने सोशल मीडिया को जासूसी का अड्डा बना रखा है। इस मंच पर बहुत सोच-समझकर लोगों को जोड़ना चाहिए। अनजान व्यक्ति को निजी जीवन, कार्यस्थल और अपने आस-पास के इलाकों की कोई जानकारी नहीं देनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

जयपुर में अमर जवान ज्योति मेमोरियल पर उन अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। यह पवित्र ज्योति राजस्थान के वीर सपूतों के अदम्य साहस की अमर गाथा का प्रतीक है।

-जेपी नड्डा

आज वर्ल्ड ट्राइबल डे के मौके पर मैं कोट्या भील पार्क में हुए प्रोग्राम में आदिवासी समुदाय के भाई-बहनों के बीच मौजूद था और उन्हें शुभकामनाएं दीं। आदिवासी समाज ने सदियों से जल और आज़ादी की रक्षा में अमूल्य योगदान दिया है।

-ओम बिरला

जयपुर का ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल 'हर घर तिरंगा' कैंपेन की शुरुआत की जगह थी। आज से 17 अगस्त 2026 तक चलने वाले इस कैंपेन में शामिल होकर, अपने घर, दुकान और ऑफिस में पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं और जश्न के तौर पर मनाएं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

विश्वास की चाबी

एक दिन शिक्षक ने विद्यार्थियों से पूछा, 'बताओ, सफलता का सबसे बड़ा रहस्य क्या है?' किसी ने कहामेहनत, किसी ने कहाभाग्य, तो किसी ने कहाबुद्धिमानी। तभी शिक्षक ने आइंस्टीन से पूछा, 'आइंस्टीन, तुम्हारा उत्तर क्या है?' आइंस्टीन ने बिना कुछ कहे अपनी जेब से एक पुरानी, जंग लगी चाबी निकाली और मेज पर रख दी। पूरी कक्षा हंसने लगी। आइंस्टीन मुस्कुराए और बोले, 'सर, यह चाबी मुझे रास्ते में मिली थी। इसे देखकर कोई भी कहेगा कि यह बेकार है। लेकिन सच यह है कि यह बेकार नहीं, बस अपने ताले से अभी तक नहीं मिली है।' कक्षा एकदम शांत हो गई। आइंस्टीन ने आगे कहा, 'बहुत से लोग कुछ असफलताओं के बाद खुद को भी ऐसी ही बेकार चाबी समझ लेते हैं। वे भूल जाते हैं कि उनकी योग्यता खत्म नहीं हुई है, बस उन्हें अभी अपना सही अवसर नहीं मिला है। जिस दिन सही ताला मिलेगा, यही चाबी बंद दरवाजा खोल देगी।' शिक्षक ने मुस्कुराते हुए कहा, 'तो सफलता का रहस्य अपनी क्षमता को पहचानना है?' आइंस्टीन ने उत्तर दिया, 'नहीं सर, अपनी क्षमता पर तब भी विश्वास बनाए रखना, जब दुनिया उसे पहचान न रही हो।'

पुण्यतिथि विशेष

आज जब सूचना की अधिकता के बावजूद विचारों की गंभीरता कई बार कम होती दिखाई देती है, तब परसाई को पढ़ना और भी जरूरी हो जाता है। उनकी भाषा हमें सरलता का महत्व समझाती है, उनकी ष्टि हमें प्रश्न पूछना सिखाती है और उनका व्यंग्य हमें यह एहसास कराता है कि हंसी भी सामाजिक परिवर्तन की एक गंभीर शक्ति हो सकती है। हरिशंकर परसाई इसलिए केवल हिंदी के महान व्यंग्यकार नहीं हैं, बल्कि वे उस साहित्यिक परंपरा के प्रतिनिधि हैं जो समाज को आईना दिखाने का साहस रखती है। उनका साहित्य हमें हंसाते हुए चेताता है, चुभते हुए जगाता है और अंततः बेहतर समाज की आवश्यकता का बोध कराता है।

व्यंग्य के शिखर पुरुष हरिशंकर परसाई

महेन्द्र तिवारी

हरिशंकर परसाई हिंदी साहित्य के ऐसे रचनाकार हैं जिन्होंने व्यंग्य को केवल हँसी और मनोरंजन की विधा मानने से इनकार किया। उन्होंने व्यंग्य को सामाजिक चेतना, मानवीय विवेक और व्यवस्था पर सवाल उठाने का सशक्त माध्यम बनाया। उनकी रचनाओं को पढ़ते हुए पाठक कई बार मुस्कुराता है, लेकिन उसी मुस्कान के पीछे उसे समाज की ऐसी सच्चाई दिखाई देती है जो भीतर तक बेचैन करती है। परसाई का व्यंग्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसमें हास्य के साथ गंभीर चिंतन, करुणा के साथ आक्रोश और भाषा की सरलता के साथ विचारों की तीक्ष्णता दिखाई देती है। यही कारण है कि उनके निधन के तीन दशक बाद भी उनका साहित्य अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है।

हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्य प्रदेश के जमानी गांव में हुआ था। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से हिंदी में एमए की शिक्षा प्राप्त की। कुछ समय अध्यापन करने के बाद उन्होंने स्वतंत्र लेखन को अपना जीवन बना लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि स्वतंत्र लेखन में आर्थिक स्थिरता का अभाव था, लेकिन परसाई ने साहित्य को नौकरी या प्रतिष्ठा प्राप्त करने का साधन नहीं बनाया। उन्होंने अपनी वैचारिक स्वतंत्रता और लेखकीय प्रतिबद्धता को सर्वोच्च महत्व दिया। जबलपुर से उन्होंने 'वसुधा' नामक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन और संपादन भी किया। सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने साहित्यिक पत्रकारिता को गंभीरता से आगे बढ़ाया। परसाई के साहित्य को समझने के लिए उनके समय को समझना भी जरूरी है। भारत स्वतंत्र हो चुका था और लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हो रही थी, लेकिन सामाजिक जीवन में अनेक पुरानी रूढ़ियां, आर्थिक विषमताएं, धार्मिक पाखंड, भ्रष्टाचार और सत्ता के प्रति अंधभक्ति मौजूद थी। स्वतंत्रता के बाद लोगों को जिस आदर्श समाज की उम्मीद थी, उसकी राह में अनेक विसंगतियां दिखाई देने लगी थीं। परसाई ने इन्हीं विसंगतियों को अपनी रचनाओं का विषय बनाया। उन्होंने बड़े सिद्धांतों की चर्चा करने के बजाय रोजमर्रा के जीवन में मौजूद छोटे-छोटे प्रसंगों के माध्यम से व्यवस्था की बड़ी सच्चाइयों को सामने रखा।

उनके व्यंग्य में आम आदमी लगातार उपस्थित रहता है। वह आदमी जो व्यवस्था की जटिलताओं में फंसा हुआ है, जो नेताओं के वादों को सुनता है, सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाता है, महंगाई से जूझता है, धार्मिक पाखंड को देखता है और फिर भी किसी न किसी उम्मीद के सहारे जीवन आगे बढ़ाता है। परसाई ने इस आम आदमी को केवल पीड़ित पात्र बनाकर प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि उसकी मानसिकता और सामाजिक परिस्थितियों को भी समझने का प्रयास किया। उनके व्यंग्य का निशाना केवल नेता या अधिकारी नहीं होते, बल्कि समाज के वे लोग भी होते हैं जो व्यवस्था की बुराइयों से परेशान होने के बावजूद किसी न किसी रूप में उनका समर्थन करते रहते हैं। परसाई की भाषा उनकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक थी। उन्होंने साहित्यिक आडंबर से दूर रहते हुए बोलचाल की भाषा को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। उनकी भाषा सहज, जीवंत और संवादधर्मी है। ऐसा लगता है जैसे लेखक पाठक के सामने बैठकर उससे बातचीत कर रहा हो। यही सहजता उनके व्यंग्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाती है। कठिन सामाजिक और राजनीतिक प्रश्नों को वे ऐसी भाषा में रखते हैं कि पाठक पहले हंसता है और फिर सोचने के लिए मजबूर हो जाता है।

उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में 'भोलाराम का जीव', 'प्रेमचंद के फटे जूते', 'सदाचार का ताबीज', 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र', 'वैष्णव की फिसलन', 'विकलांग श्रद्धा का दौर', 'निठल्ले की डायरी', 'तिरछी रेखाएँ', 'रानी नागफनी की कहानी' और 'तट की खोज' जैसी रचनाएं विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उनके साहित्य में कहानी, उपन्यास, निबंध और व्यंग्य जैसी विभिन्न विधाओं का प्रयोग मिलता है, लेकिन उनकी पहचान मुख्य रूप से एक सशक्त व्यंग्यकार के रूप में स्थापित हुई। 'भोलाराम का जीव' जैसी रचना में प्रशासनिक व्यवस्था की संवेदनहीनता पर व्यंग्य दिखाई देता है। एक साधारण आदमी की मृत्यु के बाद भी उसकी समस्याओं का समाधान नहीं होता। यह स्थिति केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं रह जाती, बल्कि उस व्यवस्था का प्रतीक बन जाती है जिसमें कागज और नियम इंसान से अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। परसाई की विशेषता यह है कि वे इस गंभीर विषय को उपदेशात्मक शैली में नहीं रखते। वे ऐसी परिस्थिति निर्मित करते हैं जिसमें हास्य पैदा होता है, लेकिन उस हास्य के भीतर व्यवस्था की क्रूरता साफ दिखाई देती है।

'प्रेमचंद के फटे जूते' में परसाई साहित्यकार और समाज के संबंधों पर विचार करते हैं। प्रेमचंद के फटे जूतों को वे केवल आर्थिक अभाव का प्रतीक नहीं बनाते, बल्कि लेखक की ईमानदारी और सामाजिक सरोकारों के संदर्भ में देखते हैं। यहां व्यंग्य साहित्यिक दुनिया की उन प्रवृत्तियों पर भी चोट करता है जहां लेखक की वास्तविक प्रतिबद्धता से अधिक उसके बाहरी सम्मान और प्रतिष्ठा को महत्व मिलने लगता है। इस रचना की लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि परसाई साहित्य को समाज की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़कर देखने वाले लेखक थे। 'सदाचार का ताबीज' में नैतिकता और सामाजिक व्यवहार के बीच मौजूद विरोधाभास सामने आता है। परसाई यह सवाल उठाते हैं कि क्या केवल नैतिकता की बातें करने से समाज नैतिक बन जाता है। उनका व्यंग्य उन लोगों पर है जो सार्वजनिक जीवन में आदर्शों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन निजी जीवन में उन्हीं आदर्शों का पालन नहीं करते। उनके यहां नैतिकता कोई भाषण का विषय नहीं, बल्कि व्यवहार की कसौटी है।

उनका व्यंग्य किसी व्यक्ति विशेष की आलोचना तक सीमित नहीं रहता। वे प्रवृत्तियों पर प्रहार करते हैं। भ्रष्टाचार, अवसरवाद, धार्मिक पाखंड, राजनीतिक स्वार्थ, सामाजिक असमानता और दिखावटी नैतिकता जैसी प्रवृत्तियां उनके साहित्य में बार-बार सामने आती हैं। वे व्यक्ति को व्यवस्था से अलग करके नहीं देखते। उन्हें पता था कि खराब व्यवस्था केवल नेताओं या अधिकारियों से नहीं बनती, बल्कि समाज की सामूहिक मानसिकता भी उसे मजबूत करती है।

परसाई की एक और विशेषता उनकी मानवीय दृष्टि है। उनके व्यंग्य में कठोरता जरूर है, लेकिन मनुष्य के प्रति घृणा नहीं है। वे कमजोर व्यक्ति की मजबूरी को समझते हैं और उसकी पीड़ा के साथ खड़े दिखाई देते हैं। उनका आक्रोश शोषण और पाखंड के विरुद्ध है। इसलिए उनके व्यंग्य में करुणा की एक अंतर्धारा दिखाई देती है। यही करुणा उन्हें केवल हास्य लेखक बनने से बचाती है। आज का समय तकनीकी रूप से परसाई के समय से बहुत अलग है। संचार के साधन बदल गए हैं, राजनीति की भाषा बदल गई है और समाज के सामने नई चुनौतियां आ गई हैं। इसके बावजूद परसाई की रचनाएं पढ़ते हुए लगता है कि उन्होंने हमारे वर्तमान की अनेक स्थितियों को पहले ही पहचान लिया था। अंधविश्वास का विस्तार, सार्वजनिक जीवन में नैतिकता का संकट, राजनीतिक अवसरवाद, भ्रष्टाचार, दिखावटी राष्ट्रवाद, सामाजिक असमानता और संस्थागत संवेदनहीनता जैसी समस्याएं आज भी हमारे सामने हैं। इसलिए परसाई को केवल अतीत का व्यंग्यकार मानना उनके साहित्य के साथ न्याय नहीं होगा। हरिशंकर परसाई का निधन 10 अगस्त 1995 को हुआ। वे अपने पीछे ऐसी साहित्यिक विरासत छोड़ गए जिसमें हंसी के साथ विचार, व्यंग्य के साथ संवेदना और आलोचना के साथ सामाजिक जिम्मेदारी जुड़ी हुई है। उन्होंने हिंदी व्यंग्य को एक ऐसी गंभीर अभिव्यक्ति दी जिसमें समाज का आत्म निरीक्षण संभव हुआ। उन्होंने पाठक को केवल हंसाया नहीं, बल्कि उसे अपने आसपास की दुनिया को नए ढंग से देखने की दृष्टि भी दी।

परसाई की सबसे बड़ी प्रासंगिकता शायद यही है कि वे पाठक को असहज प्रश्नों से बचने नहीं देते। वे बताते हैं कि जिस समाज में हम रहते हैं, उसकी कमियों के लिए केवल दूसरे जिम्मेदार नहीं हैं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा। उनकी रचनाओं का व्यंग्य दरअसल एक जागरूक नागरिक की आवाज है। वह आवाज जो सत्ता से सवाल करती है, समाज के पाखंड को पहचानती है और मनुष्य को विवेक के साथ जीने की प्रेरणा देती है।

आज जब सूचना की अधिकता के बावजूद विचारों की गंभीरता कई बार कम होती दिखाई देती है, तब परसाई को पढ़ना और भी जरूरी हो जाता है। उनकी भाषा हमें सरलता का महत्व समझाती है, उनकी दृष्टि हमें प्रश्न पूछना सिखाती है और उनका व्यंग्य हमें यह एहसास कराता है कि हंसी भी सामाजिक परिवर्तन की एक गंभीर शक्ति हो सकती है। हरिशंकर परसाई इसलिए केवल हिंदी के महान व्यंग्यकार नहीं हैं, बल्कि वे उस साहित्यिक परंपरा के प्रतिनिधि हैं जो समाज को आईना दिखाने का साहस रखती है। उनका साहित्य हमें हंसाते हुए चेताता है, चुभते हुए जगाता है और अंततः बेहतर समाज की आवश्यकता का बोध कराता है।

नजरिया

मक्का का गठजोड़ और भारत की परीक्षा

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

मक्का में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान का रक्षा समझौता पश्चिम एशिया के बदलते सुरक्षा-समीकरण का संकेत है। 7 अगस्त को अल-सफा पैलेस में मोहम्मद बिन सलमान, रेजेप ताय्यिप एर्दोआन और शहबाज शरीफ ने इस पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी मौजूद रहे। समझौते के तहत एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यह नाटो की धारा पांच जैसा प्रावधान है, हालाँकि नाटो की तरह बाध्यकारी सैन्य संरचना या स्पष्ट सैन्य कार्रवाई का प्रावधान सार्वजनिक रूप से ज्ञात नहीं है। क्षेत्रीय अस्थिरता, ईरान से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष/युद्ध और अमेरिकी सुरक्षा-प्रतिबद्धताओं पर सवालों ने तीनों को सामूहिक सुरक्षा का विकल्प तलाशने को प्रेरित किया है। इसकी बुनियाद धार्मिक एकता से अधिक साझा असुरक्षा और क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता है।

मक्का में बनी यह सुरक्षा-धुरी अचानक नहीं बनी। इसकी पहली कड़ी पिछले वर्ष सितंबर में सऊदी अरब और पाकिस्तान के रणनीतिक पारस्परिक रक्षा करार से जुड़ी थी। तुर्की के शामिल होने से यह द्विपक्षीय ढांचा त्रिकोणीय हो गया है। संयुक्त बयान के अनुसार, लक्ष्य सामूहिक निवारक क्षमता मजबूत करना और रक्षा सहयोग बढ़ाना है। यानी साझेदारी केवल हमले की स्थिति में साथ खड़े होने तक सीमित नहीं है। हालांकि इसकी असली ताकत संकट में सामने आएगी। अभी स्पष्ट नहीं है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में बाकी दोनों का सहयोग राजनीतिक समर्थन तक रहेगा या सैन्य-रसद सहायता भी देनी होगी। समझौते का पूरा पाठ सार्वजनिक न होने से घोषणा और वास्तविक सैन्य प्रतिबद्धता के बीच दूरी बनी हुई है। तीनों की क्षमताएं अलग हैं, लेकिन यही अंतर इस साझेदारी को वजन देता है। सऊदी अरब आर्थिक और वित्तीय ताकत के साथ इस्लामी दुनिया में आध्यात्मिक प्रभाव रखता है। तुर्की विकसित रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक, सैन्य आधुनिकीकरण और

नाटो अनुभव से लैस है। पाकिस्तान परमाणु शक्ति, अनुभवी सशस्त्र बल और क्षेत्रीय सैन्य अनुभव लेकर इस ढांचे में आया है। इस तरह पूंजी, तकनीक और सैन्य क्षमता एक मंच पर मिलती हैं। तीनों ने इसे रक्षात्मक समझौता बताया है। उनके अनुसार, यह किसी देश के खिलाफ नहीं है, न सैन्य धुरी या सांप्रदायिक गुट है और न परमाणु महत्वाकांक्षा या हथियारों की होड़ से जुड़ा है। समझौते में अन्य क्षेत्रीय देशों के लिए भी शामिल होने का रास्ता खुला है।

भारत के लिए चुनौती नए मोर्चे से ज्यादा पाकिस्तान को मिलने वाली अतिरिक्त ताकत की है। समझौते से उसे सऊदी पूंजी और तुर्की तकनीक का सहारा मिल सकता है, जिससे उसका सामरिक आत्मविश्वास बढ़े। अतीत में बाहरी समर्थन मिलने पर पाकिस्तान की सीमा-पार गतिविधियों में आक्रामकता बढ़ने के उदाहरण रहे हैं। हालांकि सऊदी अरब के साथ भारत के गहरे रिश्ते इस समीकरण को जटिल बनाते हैं। ऊर्जा, व्यापार, निवेश और खाड़ी में करोड़ों भारतीयों की मौजूदगी ने दोनों देशों के संबंध मजबूत किए हैं। इसलिए रियाध को भारत-विरोधी कदम उठाने वाला मानना उचित नहीं। तुर्की की पाकिस्तान के प्रति पुरानी सहानुभूति है, लेकिन भारत से उसके आर्थिक हित भी जुड़े हैं। लिहाजा यह समझौता भारत के खिलाफ सीधा मोर्चा नहीं, लेकिन रणनीतिक सतर्कता का संकेत है।

किसी समझौते की असली पहचान उसके ऐलान से नहीं, संकट में उसके निभाए जाने से होती है। इसलिए इसे 'इस्लामी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन मामूली घटना मानना भी भूल होगी। सामूहिक रक्षा व्यवस्था की ताकत नाम नहीं, सदस्यों के आपसी भरोसे और संकट में कार्रवाई की क्षमता से तय होती है। सऊदी अरब और तुर्की में क्षेत्रीय नेतृत्व को लेकर प्रतिस्पर्धा रही है, जबकि पाकिस्तान की आर्थिक निर्भरता उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता सीमित करती रही है। देखना होगा कि तीनों के साझा हित कितनी दूर साथ चलते हैं। मक्का समझौते की वास्तविक परीक्षा संकट में होगी। इसलिए इसे फिलहाल नाटो जैसी सक्रिय सैन्य शक्ति मानना उचित नहीं होगा।

बदलते क्षेत्रीय समीकरणों में भारत की सबसे बड़ी ढाल उसकी अपनी सामर्थ्य और सूझबूझ होगी। बहुध्रुवीय दुनिया में क्षेत्रीय शक्तियां अपनी सुरक्षा के नए ढांचे गढ़ रही हैं। ऐसे में भारत को खाड़ी देशों से ऊर्जा, व्यापार और निवेश के रिश्ते और मजबूत करने चाहिए। तुर्की के पाकिस्तान-झुकाव के बावजूद उसके साथ व्यावहारिक संवाद बनाए रखना जरूरी है। वहीं पाकिस्तान के संभावित उकसावे के सामने सैन्य तैयारी और विश्वसनीय निवारक क्षमता कायम रहनी चाहिए। भारत को न इस त्रिकोण से भयभीत होना है, न इसे हल्के में लेना है। आर्थिक शक्ति, आंतरिक स्थिरता, सैन्य क्षमता और कूटनीतिक सूझबूझ ही उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा-कवच हैं।

मक्का से निकला यह गठजोड़ जितने उत्तर देता है, उससे कहीं बड़ा सवाल छोड़ जाता है-क्या मुस्लिम दुनिया अपनी सुरक्षा का भार स्थायी रूप से खुद उठाने की राह पर है, या यह मौजूदा संकट की क्षणिक प्रतिक्रिया है? ईरान से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष, पश्चिम एशिया की उथल-पुथल और अमेरिकी विश्वसनीयता पर उठते सवालों ने ऐसी साझेदारी की जमीन तैयार की है। लेकिन परिस्थितियां बदलते ही इसकी मजबूती भी बदल सकती है।

समय ही बताएगा कि यह त्रिकोण स्थायी सुरक्षा व्यवस्था बनता है या तात्कालिक भय से उपजा समीकरण साबित होता है। भारत के लिए संदेश स्पष्ट है-सीमा, ऊर्जा और क्षेत्रीय प्रभाव की सुरक्षा किसी बाहरी शक्ति या गठबंधन के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। रणनीति में स्थायी मित्र या विरोधी से ज्यादा मायने अपनी ताकत का होता है। मक्का समझौता नए सुरक्षा-समीकरण का संकेत है। भारत को सऊदी अरब से रणनीतिक रिश्ते गहरे करने, तुर्की से संवाद बनाए रखने और पाकिस्तान के सामने निवारक क्षमता अडिग रखने की जरूरत है। नए गठबंधन बनेंगे, पुराने समीकरण बदलेंगे, लेकिन भारत की नीति भय या प्रतिक्रिया से नहीं, अपने हितों से तय होनी चाहिए। मक्का का संदेश भारत के लिए खतरे से ज्यादा एक महत्वपूर्ण चेतावनी और अवसर दोनों है। दुनिया बदल रही है, इसलिए भारत को आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति इतनी मजबूत करनी होगी कि बदलते गठबंधन उसके हितों को प्रभावित न कर सकें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कनाडा में भारतीय महिला की हत्या के सात माह बाद उसका साथी गिरफ़्तार

टोरंटो/भाषा। कनाडा में पिछले साल दिसंबर में एक भारतीय नागरिक की मौत के मामले में उसके 32 वर्षीय साथी को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। 'सीबीसी न्यूज' की एक खबर के अनुसार, अब्दुल गफूरी को सात महीने से अधिक समय तक फरार रहने के बाद शुक्रवार को कनाडा लौटने पर टोरंटो के एक हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। कनाडा में हत्या का दोषी पाए जाने पर अनिवार्य रूप से उम्रकैद की सज़ा होती है, जिसमें 25 साल तक फुल पैरोल की कोई गुंजाइश नहीं होती। यह मामला 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की मौत से जुड़ा है, जिनका शव पिछले साल दिसंबर में टोरंटो स्थित एक आवास से मिला था।

पुलिस ने पहले ही उनकी मौत को हत्या करार दिया था। पुलिस के अनुसार, हिमांशी और गफूरी के बीच करीबी संबंध थे। रिपोर्ट में कहा गया कि पुलिस ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर गफूरी की कनाडा वापसी सुनिश्चित की। हालांकि, उसे किस देश से वापस लाया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई। टोरंटो पुलिस को 19 दिसंबर को एक महिला के लापता होने की सूचना मिली थी। उस समय जारी पुलिस बयान के अनुसार, अगले दिन सुबह करीब 6:30 बजे अधिकारियों ने एक आवास के अंदर महिला को मृत पाया था। पुलिस ने दो दिन बाद मृतका की पहचान की और इसके बाद मामले में गफूरी की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया। पुलिस ने उसकी तलाश में देशव्यापी अभियान शुरू किया, लेकिन कई महीनों तक कोई सफलता नहीं मिली। अधिकारियों ने आरोपी और मृतका के बारे में अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की। महावाणिज्य दूतावास ने 24 दिसंबर को सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि 'खुराना युवा भारतीय नागरिक' थीं और वह स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से उनके परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।

सावन मिलन

पटना के होटल 'द पनाशे' में भूमिहार महिला समाज द्वारा आयोजित 'सावन मिलन समारोह' में भगवान शिव और माता पार्वती के रूप में सजे कलाकार भाग लेते हुए।

नेपाल में आठ राजनीतिक दलों ने मिलकर बनाया 'प्रोग्रेसिव फ्रंट'

काठमांडू/भाषा। नेपाल के आठ राजनीतिक दलों ने ''साझा राजनीतिक मुद्दों और समान एजेंडे'' के आधार पर प्रोग्रेसिव फ्रंट' नाम से एक नए गठबंधन के गठन की घोषणा की है। काठमांडू में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में इस गठबंधन की घोषणा की गई। इसमें जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी), जनमत पार्टी (जेपी), आम जनता पार्टी (एजेपी), नागरिक उन्मुक्ति पार्टी नेपाल (एनयूपीएन), प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी (पीएलपी), नेपाल संघीय समाजवादी पार्टी (एनएसएसपी), बहुजन समाजवादी पार्टी नेपाल (बीएसपीएन) और खम्बुवान राष्ट्रीय मोर्चा (केआरएम) शामिल हैं। 'प्रोग्रेसिव फ्रंट' की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह गठबंधन साझा राजनीतिक मुद्दों और समान एजेंडे के आधार पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है।

यह गठबंधन ऐसे समय में बनाया गया है, जब मधेस आधारित दलों और कुछ अन्य छोटे राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक सहयोग और समन्वय स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। बयान में कहा गया है कि यह मोर्चा लोगों की जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर होने वाले सभी प्रकार के भेदभाव और असमानताओं को समाप्त कर न्यायपूर्ण, समावेशी और भेदभाव रहित ''एकीकृत समाज'' के निर्माण के लिए काम करेगा। इसमें कहा गया है कि यह मोर्चा संघीय, लोकतांत्रिक गणतांत्रिक शासन व्यवस्था और समावेशी लोकतांत्रिक प्रणाली को व्यावहारिक रूप से संस्थागत बनाने और विकसित करने का भी लक्ष्य रखता है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह आज मिलेंगे भारत और चीन के राजदूत से

काठमांडू/भाषा। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' सोमवार को नेपाल में भारत और चीन के राजदूतों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। शाह के पद संभालने के 100 से ज़्यादा दिनों के बाद यह उनकी इस तरह की पहली आमने-सामने की कूटनीतिक वार्ता होगी। पहले भारतीय राजदूत और फिर चीनी समकक्ष से मिलने के बाद, शाह मंगलवार को अमेरिकी दूतावास के प्रभारी (चार्ज डी' अफेयर्स) से भी मुलाकात करेंगे। अलग-अलग मुलाकातों की पुरानी परंपरा से हटते हुए शाह ने आठ अप्रैल को यहां प्रधानमंत्री कार्यालय 'सिंह दरबार' में 17 राजदूतों और राजनयिक मिशनों के प्रमुखों के साथ एक संयुक्त शिष्टाचार मुलाकात की थी तथा उनमें भारत और चीन के प्रतिनिधि भी शामिल थे। शाह ने 27 मार्च को भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने रविवार को बताया कि शाह सोमवार सुबह भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से और उसी दिन दोपहर बाद चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मुलाकात करेंगे। इसके बाद, मंगलवार को प्रधानमंत्री की अमेरिकी दूतावास के प्रभारी स्कॉट अर्बोम और अन्य राजनयिकों के साथ बैठक होगी। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'द काठमांडू पोस्ट' को बताया, भारतीय राजदूत को पहले और उसके बाद चीनी राजदूत को आने के लिए कहा गया है। यानी दोनों राजदूत एक ही दिन प्रधानमंत्री से मिल रहे हैं, लेकिन पहले और बाद का समय सरकार की विदेश नीति की प्राथमिकता को भी दर्शाता है।'' 'द पोस्ट' ने प्रधानमंत्री के एक सलाहकार के हवाले से बताया कि विदेश मंत्रालय ने संबंधित दूतावासों को मुलाकात के लिए दिये गये समय की जानकारी दे दी है। खबर के अनुसार, बैठक का एजेंडा मुख्य रूप से परिचय-संबंधी होगा, जिसमें राजदूत शाह को द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति के बारे में जानकारी देंगे और अपनी-अपनी सरकारों की ओर से कोई संदेश पहुंचाएंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने आमने-सामने की मुलाकातों से परहेज किया था और यहां तक कि दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री स्टेट समीर पॉल कपूर तथा दक्षिण और मध्य एशिया के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर से मिलने से भी इनकार कर दिया था।

तिरंगा यात्रा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित 'तिरंगा यात्रा' में भाग लिया।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं : तेजस्वी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और 'टेलीविजन की क्वीन' कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं। दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा, ''एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।'' तेजस्वी ने कहा, ''एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते

रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।''

तेजस्वी ने कहा, एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।तेजस्वी का एकता कपूर के साथ काम करने का अनुभव भी रहा है। वह एकता कपूर के चर्चित शो 'नागिन 6' में नजर आई थीं।रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं।

यौन उत्पीड़न मामले में मशहूर निर्देशक शकील नूरानी गिरफ्तार

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर निर्देशक शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सतारा फॉर्म हाउस से गिरफ्तार कर उन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने 12 अगस्त तक शकील नूरानी को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। 73 वर्षीय शकील नूरानी को 33 वर्षीय अभिनेत्री की ओर से दर्ज कराए गए, दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। मालवानी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक घटना साल 2016 की है, लेकिन केस अब दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस के अनुसार अभिनेत्री की पहली मुलाकात नूरानी से 2016 में लोखंडवाला में एक पुरस्कार समारोह में हुई थी। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि 'बड़े दिल वाला' और 'जोरू का गुलाम' के निर्देशक नूरानी ने उनसे एक आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बात की और उन्हें काम के लिए उनसे संपर्क करने को कहा।

एफआईआर में महिला ने आरोप लगाया कि बाद में वह एक स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए उनके मालवानी स्थित आवास पर गई। शिकायत के अनुसार, नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। जब उन्हें होश आया, तो नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो दिखाया और धमकी दी कि अगर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया या अपने परिवार को सूचित किया तो वह इसे प्रसारित कर देंगे। अभिनेत्री का आरोप है कि नूरानी ने कथित वीडियो का इस्तेमाल करके उसे धमकाया और कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने ये भी आरोप लगाया कि यौन संबंधों के बाद उसे बार-बार गर्भनिरोधक गोलियां दी गईं। एफआईआर के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि नूरानी सतारा जिले के मेधा इलाके में एक फार्महाउस में है। स्थानीय पुलिस की एक टीम ने नूरानी की तलाश की और मेधा पुलिस स्टेशन ले गई, जिसके बाद मालवानी पुलिस अधिकारी सतारा पहुंचे और उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया।

आदिवासी दिवस

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को अगरतला में त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद द्वारा आयोजित रैली में पारंपरिक पोशाक और आभूषणों में भाग लेते स्थानीय आदिवासी लोग।

रैगिंग सीन को लेकर वैष्णवी प्रजापति ने साझा किया अनुभव

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो 'गंगा माई की बेटियां' में रैगिंग सीन्स को फिल्माते समय अभिनेत्री वैष्णवी प्रजापति काफी इमोशनल हो गईं। उन्होंने बताया कि अपने किरदार सोनी के दर्द और उसकी मजबूरी को पर्दे पर उतारना काफी चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। वैष्णवी प्रजापति ने कहा, ''जब मैंने रैगिंग से जुड़े सीन की स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी से मैं कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ गई थी। इन सीन्स को निभाने के लिए केवल डायलॉग बोलना ही काफी नहीं था, बल्कि अपने किरदार की मानसिक स्थिति को समझना और महसूस करना भी था। मेरी ज्यादातर पढ़ाई ऑनलाइन हुई है, इसलिए मैंने कभी रैगिंग का सामना नहीं किया। मैं जानती हूं कि कई छात्रों के लिए यह एक बड़ी समस्या है और इसके कारण उन्हें मानसिक परेशानी से गुजरना पड़ता है।''वैष्णवी ने रैगिंग और दोस्तों के बीच होने वाली सामान्य मस्ती के अंतर को भी समझाया। उन्होंने कहा, ''दोस्तों के बीच हल्की-फुल्की हंसी-मजाक और किसी को मानसिक रूप से परेशान करने वाली हरकतों में बड़ा फर्क होता है। किसी भी व्यक्ति के आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाली या उसे डराने वाली रैगिंग को कभी सही नहीं ठहराया जा सकता।''वैष्णवी ने शो के एक खास सीन का जिक्र करते हुए कहा, ''सोनी के कपड़े फटने वाला सीन मेरे लिए सबसे मुश्किल सीन्स में से एक था। उस सीन को करते समय मेरे मन में बार-बार यह विचार आ रहा था कि अगर असल जिंदगी में किसी के साथ ऐसा कुछ होता है तो वह कितना दर्दनाक हो सकता है।''

उन्होंने आगे बताया, ''शूटिंग से पहले मेरे मन में यह सवाल भी

आया था कि सोनी जैसी मजबूत लड़की आखिर रैगिंग करने वालों का विरोध क्यों नहीं कर रही है। जब मैंने किरदार की भावनाओं को गहराई से समझा तो एहसास हुआ कि डर, दबाव और मानसिक आघात किसी भी व्यक्ति को अंदर से प्रभावित कर सकते हैं। सोनी का चुप रहना उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उस समय की उसकी मानसिक स्थिति को दिखाता है।'' उन्होंने कहा, ''एक कलाकार के तौर पर इन सीन को शूट करते हुए मैं कई बार भावुक हुई, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी महसूस हुआ कि मैं ऐसी कहानी का हिस्सा हूं, जो एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे पर बात कर रही है।'' आने वाले एपिसोड में शो की कहानी में एक बड़ा मोड़ देखने को मिलेगा।

रैगिंग के लिए जिम्मेदार छात्रा शिवानी अपनी चालाकी से पूरे मामले को बदलने की कोशिश करेगी। वह घटनाओं को इस तरह पेश करेगी कि ऐसा लगेगा जैसे सोनी ने ही उसे परेशान किया है। इस बदलाव के बाद कहानी में नया संघर्ष देखने को मिलेगा। 'गंगा माई की बेटियां' में वैष्णवी प्रजापति के साथ अमनदीप सिद्धू और शहीर खान भी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह रोजाना जी टीवी पर प्रसारित किया जाता है।

मेरी सफलता का श्रेय पति को जाता है : सुरभि चंदना

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि चंदना पति के साथ पिछले कई समय से शादी के बंधन में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि करियर के हर पड़ाव पर पति उनके लिए बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए। साथ ही, जरूरत बनने पर परिवार के खास मौकों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने बताया कि दोनों 21 साल की उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं। अब हम दोनों 36 साल के हो गए हैं। हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ में ही बड़े हुए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि इन वर्षों में दोनों ने एक-दूसरे की पर्सनल और प्रोफेशनल कामयाबियां देखी हैं। उन्होंने मुझे एमबीए करते हुए देखा, मैंने उन्हें लंदन में एमबीए करते हुए देखा। फिर मैं एक्ट्रेस बनी। उन्होंने मेरी पूरी एक्टिंग यात्रा को देखा है।सुरभि चंदना ने बताया कि कैसे पति करण उनके साथ ऑडिशन में साथ जाया करते थे और जब वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रही होती थीं, तो वह सब्र के साथ उनका इंतजार करते थे। उन्होंने बताया, करण मुझे ऑडिशन में ले जाया करते थे। मैं लाइन में खड़ी रहती थी और वह कार में मेरा इंतजार किया करते थे। ऐसे में करण ने अपने परिवार के कई जरूरी सेलिब्रेशन तक छोड़े हैं, क्योंकि उनके लिए मेरा ऑडिशन ज्यादा जरूरी होता था।अभिनेत्री ने कहा, मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, मेरी मां भी मुझे ऑडिशन के लिए ले जाती थीं, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। आज भी अगर हम कुछ बड़ा हासिल कर लेते हैं, तो हम साथ मिलकर उसे सेलिब्रेट करते हैं। यह हमेशा से छोटा सेलिब्रेशन होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं होती। हां, हमें घूमना-फिरना पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा हमें खाना पसंद है।

राजपाल के खिलाफ कोठी पर कब्जे की शिकायत दर्ज

शाहजहांपुर/एजेन्सी

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव की कानूनी मुश्किलों के बीच अब शाहजहांपुर में उनकी एक कोठी को लेकर नया विवाद सामने आया है। विक्रम कुशवाहा नाम के एक एक शख्स ने कोठी पर कब्जा करने का आरोप राजपाल यादव पर लगाया है।विक्रम सिटी मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जांच कराने और संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का दावा है कि जिस कोठी को राजपाल यादव अपना बता रहे हैं, वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रेम कृष्ण खन्ना की संपत्ति थी और बाद में वसीयत के आधार पर वह विक्रम कुशवाहा के अधिकार में आई। विक्रम कुशवाहा ने दावा किया कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने यह संपत्ति राधा रमण सेठ से खरीदी थी। प्रेम कृष्ण खन्ना की कोई संतान नहीं थी और उन्होंने बचपन से उनकी सेवा की थी। शिकायतकर्ता का दावा है कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने उसे गोद लिया था, जिसका गोदनामा है। वर्ष 1982 में प्रेम कृष्ण खन्ना ने वसीयत के माध्यम से अपनी चल-अचल संपत्ति उसके नाम कर दी थी। इसी आधार पर वह खुद को संपत्ति का वारिस बता रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राजपाल यादव ने दबंगई और रसूख के बल पर उस कोठी पर कब्जा कर लिया। उन्होंने प्रशासन से संपत्ति से जुड़े पुराने दस्तावेज, नगर निकाय के रिकॉर्ड और अन्य अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। विक्रम कुशवाहा का दावा है कि नगर निगम/नगर पालिका के रिकॉर्ड में आज भी वह संपत्ति प्रेम कृष्ण खन्ना के नाम दर्ज है। इसके अलावा अन्य दस्तावेजों में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रेम कृष्ण खन्ना का नाम दर्ज होने का दावा किया गया है।संपत्ति को लेकर विवाद पहले से न्यायिक स्तर पर भी चल रहा है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, मामले को लेकर शाहजहांपुर से लेकर हाईकोर्ट तक कानूनी प्रक्रिया चल रही है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब राजपाल यादव पहले से ही चेक बाउंस मामले में फंसे हैं। इसके अलावा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की ओर से उनकी कुछ संपत्तियों पर नीलामी संबंधी नोटिस चस्पा किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।विक्रम कुशवाहा की ओर से राजपाल यादव पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राजपाल यादव की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब प्रशासनिक जांच और अदालत में चल रही कार्यवाही के दौरान सामने आने वाले दस्तावेजों से संपत्ति के स्वामित्व और कब्जे की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

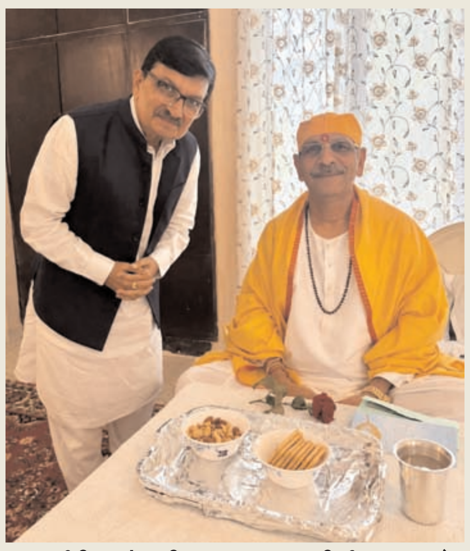

आचार्यश्री सुधांशु जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए एवं चर्चा करते हुए दक्षिण भारत राष्ट्रमत के संस्थापक एवं समूह संपादक श्रीकांत पाराशर

भारतीय संस्कृति को बचाने का एक मात्र उपाय है अधिकाधिक गुरुकुल की स्थापना : आचार्यश्री सुधांशु महाराज

श्रीकांत पाराशर
संस्थापक दक्षिण भारत

> भारतीय संस्कृति को बचाने का एक मात्र उपाय है देश भर में अधिक से अधिक गुरुकुल खोले जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य संतों, आचार्यों को करना होगा तथा सक्षम सामाजिक संगठनों एवं व्यक्तियों को भी इस कार्य के लिए प्रेरित करना होगा।

बेंगलूरु। रविवार को विश्व जागृति मिशन के प्रणेता सुप्रसिद्ध आचार्यश्री सुधांशु जी महाराज के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। इस बार कुछ वर्षों के अंतराल के बाद उनसे भेंट का अवसर मिला। मैं उनकी भाषा शैली का सदैव प्रशंसक रहा हूँ और परमात्मा की प्रार्थना करने का उनका अंदाज़ तो बहुत ही निराला है। मंच पर जब वे स्वयं और पांडाल में उपस्थित विशाल जनसमुदाय अपनी आँखें बंद कर, सुंदर सलीके से संयोजित शब्दों का उच्चारण करते हुए अंतर्मन की भावयात्रा में खो जाते हैं तो आत्मा से सीधे जुड़ाव की अनुपम अनुभूति होती है। दैनंदिन जीवन से जुड़े पारिवारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विषयों पर सरल, सहज भाषा में, छोटे छोटे रोचक दृष्टांतों के साथ दिया गया प्रवचन सीधा अंतश की गहराई तक उतर जाता है जैसे कोई बीमार बालक दवा की मीठी सिरप गले से नीचे उतरते हुए सुखद अनुभूति करता है और उसे राहत मिलती है। सुधांशु जी महाराज का मुझ पर जो स्नेह है उससे और उनकी अपनेपन से भरी सलाह से मैं अभिभूत हो जाता हूँ।

आचार्यश्री सुधांशु जी ने संक्षिप्त चर्चा में बताया कि भारतीय संस्कृति को बचाने का एक मात्र उपाय है देश भर में अधिक से अधिक गुरुकुल खोले जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य संतों, आचार्यों को करना होगा तथा सक्षम सामाजिक संगठनों एवं व्यक्तियों को भी इस कार्य के लिए प्रेरित करना होगा। तभी यह महती कार्य व्यापक रूप से क्रियान्वित किया जा सकेगा और अपेक्षित परिणाम भी दे सकेगा। उन्होंने कहा, जब युवापीढी के लिए क्रिश्चियन्स की कानवेंट और मुसलमानों के मदरसे हो सकते हैं तो हिंदुओं को गुरुकुल क्यों नहीं संचालित करने चाहिएं? उन्होंने कहा, मैंने यह बात प्रयागराज महाकुंभ में कही थी और मैंने तो यह काम शुरू भी कर दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी महाकुंभ तक वे दस गुरुकुल शुरू कर संचालित करने के लिए कटिबद्ध हैं।

सुधांशु जी महाराज ने कहा कि जब तब यह हो-हल्ला किया जाता है कि हमें आजादी चाहिए, गुलामी की मानसिकता से उबरना है लेकिन यह सोच सही नहीं है। दरअसल हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हम सैंकड़ों, हजारों साल तक गुलाम क्यों रहे? उन कारणों की खोज करनी चाहिए जिन कारणों से हमने गुलामी का दर्द भोगा, तभी उचित समाधान मिल सकेगा। केवल आजादी चाहिए, आजादी चाहिए कि रट लगाने से हम समस्या की जड़ तक ही नहीं पहुँच पाएंगे।

साधक को हमेशा मर्यादित जीवन जीना चाहिए : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि साधक मर्यादित जीवन जीएं। परिग्रह दुख का मूल है। आवश्यकता से अधिक इच्छाएं आग के समान हैं। जैसे आग में कितना भी ईंधन डालो, आग में सब कुछ स्वाहा हो जाता है। वैसे ही जिंदगी में इच्छाओं की पूर्ति करना बहुत कठिन है, क्योंकि एक इच्छा की पूर्ति होते ही दूसरी हजार इच्छाएं सामने खड़ी हो जाती हैं। फिर इन इच्छाओं के दलदल और परिग्रह में ही फंस कर मानव धर्म से, प्रभु भक्ति आराधना से दूर होकर इस पूर्व पुण्यवानी से प्राप्त अनमोल मानव जीवन को यूं ही व्यर्थ गंवा कर इस संसार से खाली ही विदा हो जाता है। उसके हाथ कुछ नहीं आता।साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने अपने संबोधन में आचरांग सूत्र के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें जीवन में कभी भी निमित्त को दोष नहीं देना चाहिए। हमेशा दिमाग में बुरे पलों और क्रोध, मान माया और लोभ, अनगिनत इच्छाओं का कचरा भर कर अपनी आत्मा को कर्मों से भारी नहीं बनाएं। उन्होंने कहा कि अपने कर्मों के कारण ही आत्मा संसार में सुखी और दुखी बनती है।

हंसते हंसते सहना और सहते सहते हंसना, यही सुखी जीवन का राज है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को संसार में सबसे एडजस्ट करने की कला भी आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सबसे, सबके साथ अनूकूल बनकर रहेंगे तो आपके पुण्य स्वत ही बढ़ जाएंगे। शांतिनगर लुणावत जैन स्थानक में धर्म साधना जप तप आराधना गतिमान है। संघ के अध्यक्ष धनरूप चंद मेहता ने सबका स्वागत किया। मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

तेरापंथ युवक परिषद व किशोर मंडल ने शुरू किया 'संस्कार केन्द्र'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद एवं किशोर मंडल, गांधीनगर द्वारा लालबाग में संस्कार केंद्र का शुभारंभ किया गया जिसमें लगभग 13 किशोरों ने सहभागिता की। संस्कार केंद्र का उद्देश्य किशोरों के सर्वांगीण विकास को गति देना है, जहाँ शारीरिक स्वास्थ्य के साथ संस्कार, अनुशासन, आपसी सौहार्द एवं नेतृत्व क्षमता का विकास हो। इसी भावना के अनुरूप प्रतिभागियों के लिए शारीरिक व्यायाम, वार्म-अप एवं मनोरंजक टीम-बिल्डिंग गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभातेयुप के गौतम खाब्या, विकास बाबेल, तेयुप अध्यक्ष विनोद कोठारी एवं तेयुप मंत्री विवेक मरोठी की विशेष उपस्थिति थी। संयोजक लक्ष्य सेठिया एवं सभी सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। किशोर मंडल के संयोजक गगन बच्छावत ने धन्यवाद दिया।

संतों के सान्निध्य में आरआर नगर में भी आयोजित हुआ युवाचार्य वर्धापना समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री विनीत कुमारजी व आकाश कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ धर्मसंघ के नवनियुक्त युवाचार्यश्री महावीर कुमार जी का वर्धापना समारोह तेरापंथी सभा विजयनगर एवं राजराजेश्वरीनगर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को आयोजित किया गया। मुनिश्री विनीत कुमार जी ने कहा कि वर्ष 2001 में गंगाशहर के मर्यादा महोत्सव में पिता सवाईसिंह एवं पुत्र महावीर की जोड़ी ने भावपूर्ण अंदाज में गीत गाकर दीक्षा की अनुनय-विनय प्रस्तुत की थी। दीक्षा उपरांत आचार्य महाप्रज्ञ जी ने युवाचार्य महाश्रमण जी से कहा कि महावीर मुनि को सदैव अपने साथ रखना। युवाचार्यश्री एक विवेक सम्पन्न, श्रमशील, श्रुत आराधक, अप्रमत्त अवस्था के आराधक एवं सुशिष्य हैं। उन्होंने आचार्य तुलसी के भी कुछ गुण अपनाए। वे बच्चों पर विशेष ध्यान देते हैं। मुनिश्री आकाश कुमार जी ने कहा कि योग्य उत्तराधिकारी का चयन आचार्य का मुख्य दायित्व होता है।

गुरु की दृष्टि फिल्टर की तरह अपने शिष्यों का सर्वांगीण परीक्षण कर योग्यतम शिष्य के हाथों में संघ के भविष्य की बागडोर सौंपने का निर्णय लेती है। मुनिश्री पुनीत कुमार जी ने अपनी भावाभिव्यक्ति में आरम्भिक वर्षों का जिक्र किया।

तेरापंथ सभा राजराजेश्वरी नगर के सभाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने सभी का स्वागत करते हुए संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अध्यक्ष ने गुरु दर्शनार्थ संघ की जानकारी दी तथा संघ के संयोजक के रूप में उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़ के नाम की घोषणा की। ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष सरल पटावरी, तेममं की अध्यक्ष मंजु बोथरा सहित विजयनगर व अन्य संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। राजराजेश्वरी नगर से तेरापंथी सभा, युवक परिषद,महिला मंडल, कन्या मंडल एवं विजयनगर से सभी संस्थाओं ने भावपूर्ण गीतों द्वारा नवनियुक्त युवाचार्य की वर्धापना की।मंच संचालन मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने किया।

दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में रविवार को दक्षिण भारत राष्ट्रमत के संस्थापक एवं मुख्य संपादक श्रीकांत पाराशर ने गोडवाड़ भवन ट्रस्ट में चातुर्मास हेतु विराजित गच्छाधिपति, श्रीमद्विजय आचार्यश्री नित्यानंदसूरीजी म. सा. एवं मोक्षानंद विजय जी म. के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के कुमारपाल सिसोदिया ने श्री पाराशर का परिचय कराया और बताया कि यह अखबार निष्पक्ष एवं निर्भीक समाचारों के लिए जाना जाता है तथा इसमें धार्मिक समाचारों को भी उपयुक्त स्थान दिया जाता है। उन्होंने श्री पाराशर के साथ खुद के आत्मीय संबंधों व समाजसेवा क्षेत्र में लगभग चार दशक तक साथ काम करने का भी उल्लेख किया। आचार्यश्री ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की और आशीर्वाद प्रदान किया। ट्रस्ट की ओर से श्रीकांत पाराशर का हार पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

अहंकार को त्यागने से ही मिलेगी आत्मिक शांति : संतश्री वीरमुनि

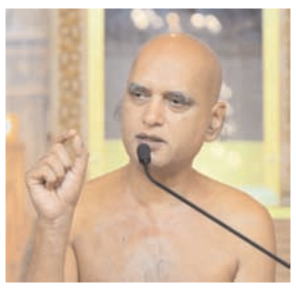

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में आयोजित अपने दैनिक प्रवचन में मुनिश्री वीरसागरजी ने रविवार को अपने प्रवचन में अहंकार को मनुष्य के आत्मिक विकास, मानसिक शांति और सार्थक जीवन के मार्ग में प्रमुख बाधा बताते हुए इससे मुक्ति का व्यावहारिक मार्ग समझाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यह है कि वह शरीर, पद, प्रतिष्ठा, संपत्ति और सामाजिक पहचान को अपना वास्तविक स्वरूप मान लेता है। इसी मिथ्या पहचान से मैं' और मेरा' का भाव उत्पन्न होता है, जो धीरे-धीरे अहंकार का रूप धारण कर लेता है। अहंकार दिखाई नहीं देता, लेकिन वह व्यक्ति के विचारों, व्यवहार, निर्णयों और संबंधों को निरंतर प्रभावित करता रहता है। व्यक्ति परिवार में हो, कार्यक्षेत्र में हो अथवा सामाजिक जीवन में, जब उसे अपनी प्रतिष्ठा, पद अथवा अधिकार के प्रति अत्यधिक आसक्ति हो जाती है, तब वह दूसरों से सम्मान, स्वीकृति और वर्चस्व की अपेक्षा करने लगता है। यही अपेक्षा मन में तनाव, असंतोष और अशांति का कारण बनती है।

निष्ठाभावना के बिना नहीं होता समाज, धर्म और राष्ट्र का विकास : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

हैदराबाद/दक्षिण भारत। शहर के एग्जिबिशन ग्राउंड स्थित विशाल जगद गुरु हीरसूरि वाटिका में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा आयोजित तीसरी जागरण सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और विकास की गति को तीव्रता देने के समाज के समृद्ध व प्रबुद्ध वर्ग को समर्पित भावों से आगे आकर काम करने की आवश्यकता है। जब हम समाज को स्वयं से और अपने परिवार से अधिक महत्वपूर्ण समझेंगे, तभी कुछ न्योछावर करने का मन बनेगा। हर व्यक्ति में सर्वप्रथम समाज, धर्म, राष्ट्र और मानवता के प्रति निष्ठाभावना का निरंतर विकास होना चाहिए। निष्ठावान एक व्यक्ति भी हजार से बढ़कर होता है और निष्ठाहीन हजारों की भीड़ भी बेकार होती है। आचार्यश्री ने कहा कि तीर्थंकरों के मंदिर नहीं, गुरुओं की मूर्तियां और गुरुओं के झंडे सामाजिक एकता की दिशा में सबसे अधिक बाधक हैं जिनके कारण ही जगह-जगह विवाद हो रहे हैं।

तीर्थंकर तो 24 हुए हैं, लेकिन गुरु तो 2400 और 24000 से अधिक हो गए हैं। समाज को सर्वप्रथम अपना लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता है कि उसे करना क्या है।

मुनि तत्वविमलसागरजी व मुनि वीरविमलसागरजी ने बताया कि 2000 से अधिक प्रवेश-पत्र धारक पुरुषों व महिलाओं ने सेमिनार में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में अनेक युवक-युवतियों ने परिचर्चा में जुड़ते हुए विविध धार्मिक-सामाजिक विषयों, व्यावहारिक समस्याओं, बदलती युगीन परिस्थितियों, लोगों की मानसिकताओं और इन सबके समुचित समाधान हेतु उपयोगी विचार व्यक्त किए।

दान करने से जीवन में सुख की प्राप्ति होती है : संतश्री अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में जैन समाज में दान की परम्परा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दान करने से जीवन में सुख की प्राप्ति होती है। दान में उपयोग की गई लक्ष्मी से घर परिवार में समृद्धि आती है। सदियों से चली आ रही भूखे को भोजन कराना, प्यासे को पानी पिलाना, रोगी को दवाई देना, जरूरतमंद की सेवा व सहयोग करने की परम्परा को दान कहा जाता है। संतश्री ने गुजरात के पाटन में हुए अकाल के दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि जब दूसरों के हित के लिए कोई सहयोग दिया जाता है तो उसकी बराबरी स्वर्ग के ऐश्वर्य भी नहीं कर पाते हैं। जैन समाज कमाना भी जानता है और सही जगह अपने धन का उपयोग कर पुण्य कमाना भी जानता है । दान-पुण्य में हर एक व्यक्ति को हमेशा आगे रहना चाहिए। रविवार को संतश्री रविमुनिजी ने आचार्यश्री आनंदऋषिजी, उपाध्यायश्री कस्तूरचन्दजी, सौभाग्यमलजी आदि संतों का गुणानुवाद किया। उपस्थित जनों ने लोगस्स का सामूहिक जाप किया। धर्म चक्र का आयोजन रखा गया जो आज पूर्ण हुआङ्कसंचालन विनोद कुमार पोरवाल ने किया

प्रेक्षाध्यान से पाएं जीवन का समाधान विषयक कार्यशाला सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में विजयनगर प्रेक्षा ध्यान केंद्र द्वारा मुनिश्री विनीतकुमारजी के सान्निध्य में प्रेक्षाध्यान से पाएं, जीवन का समाधान' विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन विजयनगर में किया गया। शनिवार को प्रातःकाल में आयोजित इस कार्यशाला में मुनिश्री ने कहा कि ध्यान करने वाला व्यक्ति अनेक प्रकार के सुखों का वरण करता है। ध्यान के लिए जहां गहरी एकाग्रता जागरूकता और स्थिरता की आवश्यकता होती है, वही ध्यान का निरंतर अभ्यास व्यक्ति को शारीरिक मानसिक और भावनात्मक स्वस्थता की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि जागरूकता पूर्वक किया गया कायोत्सर्ग मानसिक शांति और रिलेक्सेशन को बढ़ाता है, इसलिए नींद से बचकर कायोत्सर्ग का अभ्यास निर्भय एवं शांत सरल व्यक्तित्व का निर्माण करता हैं।

कार्यक्रम में वीणा बैद ने श्वास के साथ ओम की ध्वनि का विशेष प्रयोग करवाया तथा भ्रामरी से होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संतों के प्रति आभार व्यक्त किया। बड़ी संख्या में साधकों ने इस कार्यशाला का लाभ लिया।

पाकिस्तान में पेट्रोल की ऊंची कीमतों के खिलाफ होगा प्रदर्शन

लाहौर/भाषा। जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान (जेआई) ने पेट्रोल की ऊंची कीमतों के खिलाफ 16 अगस्त को देश की चारों प्रांतीय राजधानियों में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। पाकिस्तान में फिलहाल एक लीटर पेट्रोल की कीमत 330 पाकिस्तानी रुपये है। जेआई ने सरकार से भारी शुल्क वापस लेने और पेट्रोल की कीमत घटाकर 225 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर करने की मांग की है। जेआई पाकिस्तान के प्रमुख हाफिज नईमुर रहमान ने शनिवार को कहा कि लाहौर, सिंध और बलूचिस्तान में मुख्यमंत्री आवासों के बाहर तथा खैबर पख्तूनख्वा में राज्यपाल आवास के बाहर धरना दिया जाएगा। जेआई ने इस सप्ताह शहबाज शरीफ सरकार की ओर से पेट्रोलियम पर भारी शुल्क लगाए जाने के विरोध में लाहौर, कराची और इस्लामाबाद समेत देशभर में रैलियां भी की थीं।

राणी दादी के सिंजारा उत्सव की तैयारियों में जुटे सदस्यगण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति द्वारा 16 अगस्त को निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर में दादीजी का सिंजारा उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए समिति के सदस्यों की बैठक जयनगर में सम्पन्न हुई। इस उत्सव में 16 भक्त परिवारों द्वारा दादीजी को 16 श्रृंगार अर्पित किए जाएंगे। इस मौके पर रानीगंज से आ रही मीनू दुबे भजनों की प्रस्तुति देंगी तथा कोलकाता के विशेष कलाकार दादीजी का भव्य श्रृंगार कर दादीजी का दरबार सजाएंगे। इस अवसर पर दादीजी के हाथ रचाओ प्रतियोगिता भी रखी गई है जिसमें विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे। 56 भक्तों द्वारा दादीजी को 56 भोग अर्पित किए जाएंगे। नीलम अग्रवाल द्वारा रचित 'दादीजी का मंगलपाठ' पुस्तक का विमोचन किया जाएगा। इस मौके पर सालासर बालाजी सेवा समिति एवं दादी धाम प्रचार समिति द्वारा डॉ अरुण अडकोली,सुनित्रा हाई टेक आई हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र चिकित्सा जांच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। ङ्कसमिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल सहित संयोजक संजय नोपानी, सचिव संजय चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, सहसंयोजक संजीव खेतान, सहसंयोजिका रचना डालमिया, रामसुन्दर बगड़िया, विनय राय, विश्वनाथ चौधरी एवं मनीष मेहनसरिया आदि अनेक सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**